RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण sabsetejprj2023@gmail.com गुरुवार , 06 अगस्त 2026 वर्ष: 04, अंक: 137 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर विपक्ष का जबरदस्त हंगामा

गृहमंत्री अमित शाह से संसद में जवाब की मांग, राहुल-प्रियंका समेत विपक्षी सांसदों का विरोध मार्च

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के 13वें दिन बुधवार को कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन कर 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई, राम मंदिर चढ़ावा चोरी तथा अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह से संसद में आकर इन मामलों पर जवाब देने की मांग की।

इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक विरोध मार्च निकाला।

प्रदर्शन में कांग्रेस,समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य विपक्षी दलों के सांसद बैनर और पोस्टर लेकर शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि गृहमंत्री अमित शाह संसद में उपस्थित होकर पूरे मामले पर सरकार का पक्ष रखें। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यदि छात्रों पर गोली, पैलेट गन, आंसू गैस या लाठीचार्ज का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय किसी अधिकारी या सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी घटनाओं पर जवाबदेही स्वीकार की जानी चाहिए।

वहीं, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केवल राहुल गांधी के खिलाफ मामले दर्ज कराने के लिए सक्रिय रहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कानून की सही समझ नहीं है और वह जब चाहें पुलिस थाने पहुंच जाती हैं।

लोकसभा ने 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से दी मंजूरी

लोकसभा ने बुधवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। साथ ही हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 6 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा से पारित यह विधेयक बैंकर्स बुक्स (बैंकों के रिकॉर्ड) से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाने और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाने, इसके साथ ही इससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करता है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026' पेश किया था। यह विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम-1891 का स्थान लेगा। इस विधेयक का मकसद बैंकरों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाना है।

संसद में जारी गतिरोध के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार: वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने संसद में जारी गतिरोध के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष और जनता की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार जनहित के मुद्दे उठा रहा है, लेकिन सरकार किसी भी विषय पर चर्चा नहीं कराना चाहती।

संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष जनता की आवाज संसद तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है।

भाजपा का राहुल पर हमला, कहा- संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ को देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बजाय गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संविधान के अस्थायी प्रावधान अनुच्छेद 370 को समाप्त कर संविधान की मूल भावना का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन गृहमंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए इस ऐतिहासिक निर्णय को लागू किया।गौरव भाटिया ने संसद में जारी गतिरोध को दो विचारधाराओं की लड़ाई बताते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं, जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी देश को बांटने वाली राजनीति कर अराजक तत्वों का समर्थन करते हैं।

वर्ष 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया

वर्ष 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है, जबकि 2004 से 2013 के दौरान औसतन केवल चार भगोड़े अपराधी प्रतिवर्ष भारत लौटे थे। भाजपा ने इसे मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति और मजबूत कानून-व्यवस्था का परिणाम बताया।

भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का दायित्व संसद में बहस करना, तथ्यों के आधार पर सरकार को घेरना और जनता के मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी लोकतंत्र के मंदिर से दूर भागते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के हालिया बयानों पर भी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि वह "मोदी फोबिया और आरएसएस फोबिया" से ग्रस्त हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने झारखंड में छात्रों और युवाओं के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कांग्रेस, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही झारखंड के मामले की सीबीआई जांच की मांग भी दोहराई।

जांच आयोग की रिपोर्ट में खुलासा, संभल हिंसा सुनियोजित साजिश का नतीजा

लखनऊ/एजेंसी

शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा पूर्व नियोजित साजिश का परिणाम थी। भीड़ को भड़काने, गलत जानकारी फैलाने और हिंसा की पृष्ठभूमि तैयार करने में संभल के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल और जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के पदाधिकारियों की भूमिका रही। यह निष्कर्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में दिया है।

19 नवंबर को अधूरा सर्वे होने के बाद से ही माहौल को तनावपूर्ण बनाने की तैयारी शुरू हो गई थी।

आरोपियों ने मुस्लिम समुदाय के बीच यह भ्रम फैलाया कि सर्वे के बहाने मस्जिद पर कब्जा करने या उसे ध्वस्त करने की कोशिश की जा रही है। जबकि अदालत के आदेश में केवल प्राचीन स्मारक अधिनियम के तहत रखरखाव और आम जनता के प्रवेश से जुड़े बिंदुओं पर ही विचार किया जाना था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 नवंबर की सुबह बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के आसपास एकत्र हो गए।

4

1

बिजनौर में जल जीवन मिशन को मिली रफ्तार, हर घर तक पहुंच रहा स्वच्छ पेयजल

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत जनपद बिजनौर में ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध एवं क्लोरीनयुक्त पेयजल पहुंचाने का कार्य तेज गति से जारी है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को "हर घर नल से जल" उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर न रहना पड़े। इस दिशा में विद्या टेलीलिंक लिमिटेड द्वारा विभिन्न विकास खंडों में युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है।
जनपद के नजीबाबाद, चांदपुर, धामपुर, देवमल, कोतवाली, किरतपुर, नूरपुर, नहटौर, अलेहपुर तथा अफजलगढ़ सहित अनेक विकास खंडों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति परियोजनाओं का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अधिकांश गांवों में घर-घर तक पाइपलाइन के माध्यम से नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है।
जिन ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, वहां अब ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस (O&M) का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जलापूर्ति व्यवस्था का नियमित संचालन, पाइपलाइन की निगरानी, जल गुणवत्ता की जांच तथा आवश्यक रखरखाव सुनिश्चित

किया जा रहा है, ताकि लोगों को निर्बाध जलापूर्ति मिलती रहे।
जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में बड़ी संख्या में ओवरहेड जलाशय (ओवरहेड टैंक) भी बनाए जा रहे हैं। अब तक लगभग 300 ओवरहेड टैंक बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि अन्य टैंकों का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इन जलाशयों के माध्यम से गांवों में पर्याप्त जल भंडारण और नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।
योजना के अंतर्गत आधुनिक जलशोधन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को क्लोरीनयुक्त एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में कमी आने की उम्मीद है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा। महिलाओं और बच्चों को भी पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिलेगी।
विद्या टेलीलिंक लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेंद्र कौशिक ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य केंद्र एवं राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि परियोजना की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं।
उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के साथ-साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल के सदुपयोग तथा पाइपलाइन एवं नल कनेक्शन के रखरखाव के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर तकनीकी टीमों को तैनात किया गया है ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके और जलापूर्ति व्यवस्था निरंतर सुचारु बनी रहे।
जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद बिजनौर के हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है।
स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा सामाजिक विकास को नई गति मिल रही है। आने वाले समय में शेष ग्राम पंचायतों में भी कार्य पूर्ण होने के बाद पूरे जनपद को इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ मिलेगा।

मास्टर प्लान के बाद जिला परिषद की दुकानें तोड़ी गई, सरकारी संपत्ति बेचने के आरोप

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, स्योहारा नूरपुर रोड स्थित जिला परिषद की कई दुकानों को 18.6.2026 को मास्टर प्लान के तहत तोड़े जाने के बाद एक नया विवाद सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार,दुकानें हटाए जाने के उपरांत 22.06.2026 को कुछ दुकानदारों ने जिला परिषद की बिना अनुमति के सरकारी संपत्ति को बेचने और उससे प्राप्त राशि अपने पास रखने के आरोप लगे हैं।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि दुकानों के टूटने के बाद बची निर्माण सामग्री और अन्य सरकारी संपत्ति के निस्तारण के लिए जिला परिषद की अनुमति आवश्यक थी। आरोप है कि कुछ लोगों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही सरकारी संपत्ति बेच दी।
मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और संबंधित अधिकारियों से जांच की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।
इस संबंध में जिला परिषद के अधिकारियों का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी।
यदि जिला प्रशासन या जिला परिषद इस मामले में जांच शुरू करती है, तो तथ्यों के आधार पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी
श्रम प्रकोष्ठ भाजपा नीति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरशद त्यागी ने बताया कि इसकी शिकायत जिला अधिकारी महोदय से की उसके उपरांत बची हुई सामग्री को सुरक्षित नगर पालिका परिषद स्योहारा में रखवाया गयो।

बढ़ापुर में जंगली हाथीयों का आंतक किसानों की फसलों को रौंदा

वन विभाग ने भगाया जंगल की और

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, बिजनौर जिले के बढ़ापुर थाना क्षेत्र स्थित छायली गांव में जंगली हाथी का आतंक लगातार बना हुआ है। बुधवार को हाथी एक बार फिर खेतों में घुस गये और कई किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया।
सचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।
ग्रामीणों और वन कर्मियों के संयुक्त प्रयास से हाथी को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ दिया गया। इस दौरान किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।
ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई दिनों से जंगली हाथी लगातार गांव के आसपास के खेतों में पहुंच रहे है, जिससे किसानों की मेहनत से तैयार फसलें बर्बाद हो रही हैं। हाथी के आतंक के कारण ग्रामीणों में भी भय का माहौल बना हुआ है। किसानों का कहना है कि हाथी के बार-बार खेतों में आने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मेहनत और लागत से तैयार की गई फसलें कुछ ही समय में नष्ट हो जाती हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने, हाथी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने और उसे आबादी वाले इलाकों से दूर रखने के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।
ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के दौरान कुछ ग्रामीणों ने हाथी का वीडियो अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

25 हजार का इनामी जहरखुरान मुठभेड़ में गिरफ्तार, अवैध तमंचा व नशीली गोलियां बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थाना कल्यानपुर एवं थाना औंग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 25 हजार का इनामी और वांछित अंतर्जनपदीय जहरखुरान अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, नशीली गोलियां, चोरी के मोबाइल फोन, नकदी तथा बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की है।
पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बिंदकी के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार देर रात थाना कल्यानपुर और थाना औंग पुलिस की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि 25 हजार का इनामी

अभियुक्त मोहम्मद फिरोज पुत्र मोहम्मद अनीष, निवासी ग्राम सालेपुर, थाना करारी, जनपद कौशाम्बी, जहानाबाद-चौड़गरा मार्ग स्थित निमार्णाधीन नहर पुलिया के पास किसी वारदात की फिराक में मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अभियुक्त ने अवैध तमंचे से जानलेवा फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई नियंत्रित जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में थाना कल्यानपुर में धारा 109(1) बीएनएस एवं 3/25 आयुध अधिनियम के तहत एक और मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ थाना कल्यानपुर एवं थाना औंग में जहरखुरानी और लूट से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं तथा वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर ?25 हजार का इनाम घोषित था।
पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर संगठित जहरखुरान गिरोह संचालित करता था।
गिरोह के सदस्य राहगीरों और यात्रियों को वाहन में बैठाकर विश्वास में लेते थे तथा उन्हें नशीली दवा मिली खाद्य सामग्री खिलाकर बेहोश कर देते थे। इसके बाद उनका मोबाइल, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर सुनसान स्थान पर छोड़कर फरार हो जाते थे। लूटे गए सामान और नकदी का आपस में बंटवारा कर लिया जाता था। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छात्र छात्राओं को मिशन शक्ति टीम ने किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति फेज-5, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण, साइबर अपराधों से बचाव, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता, महिला हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केंद्र तथा एंटी रोमियो टीम की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला हेल्पलाइन) की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

एक दिवसीय जनपद स्तरीय डेयरी कन्क्लेव का किया गया आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी की अध्यक्षता में दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनाकल्याणकारी योजनाओं/कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एक दिवसीय जनपद स्तरीय डेयरी कन्क्लेव का आयोजन सरस हाल, विकास भवन, मंझनपुर में किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री गौ-संवर्धन योजना वर्ष 2026-27 के चयनित लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किया।
कृषि वैज्ञानिक महगॉव मूरतगंज, डा० आशीष कुमार श्रीवास्तव ने गौवंशों के रख-रखाव, भरण पोषण एवं अच्छे उत्पादन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा० अशोक कुमार ने नन्दबाबा दुग्ध मिशन के सम्बन्ध में सभी चयनित लाभार्थियों को जानकारी दी। उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा० राकेश कुमार ने गोवंशों के बीमा आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में दुग्धशाला विकास विभाग, लखनऊ द्वारा योजना का लाइव प्रसारण भी पशुपालकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

तीन दंपतियों का कराया गया सफल समझौता

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल अधिकारी) के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर के पर्यवेक्षण में बुधवार को परिवार परामर्श केंद्र, कौशाम्बी में वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों से संबंधित दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई।
काउंसलिंग के दौरान 3 प्रकरणों में पति-पत्नी एवं उनके परिजनों के बीच आपसी सहमति बनने पर सुलह-समझौता कराया गया। परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षों को पारिवारिक दायित्वों, आपसी विश्वास, संवाद एवं एक-दूसरे के प्रति सम्मान का महत्व समझाते हुए नए सिरे से सुखद वैवाहिक जीवन प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया गया। दोनों पक्षों ने भविष्य में प्रेम एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में जीवन-यापन करने का संकल्प व्यक्त किया।

गोरखपुर—शामली एक्सप्रेस-वे: किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन10 गुना मुआवजा और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण की उठाई मांग

सबसे तेज प्रयागराज
स्योहारा। गोरखपुरझशामली एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए अधिग्रहित की जा रही कृषि भूमि के उचित मुआवजे और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की मांग को लेकर बुधवार को बुढ़नपुर ब्लॉक क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने एसडीएम धामपुर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने स्पष्ट किया कि वे एक्सप्रेस-वे निर्माण का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनकी आजीविका का एकमात्र साधन कृषि भूमि है।इसलिए उनके साथ न्याय किया जाना आवश्यक है।
ग्राम गुरदासपुर, बहादुरपुर, सत्तो नगली, दिनदारपुर, दौलताबाद, मंदौरी, कृष्णा रामपुर, सुल्तानपुर सहित कई गांवों के किसानों ने ज्ञापन में मांग की कि अधिग्रहित भूमि का मुआवजा वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर कम से

कम 10 गुना दिया जाए। साथ ही भूमि की पैमाइश, सीमांकन और जांच प्रत्येक किसान की मौजूदगी में कराई जाए तथा इसकी पूर्व सूचना लिखित रूप से उपलब्ध कराई जाए।
किसानों ने यह भी मांग की कि अधिग्रहित होने वाली प्रत्येक खसरा संख्या का नक्शा और विवरण किसानों को उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार के विवाद या आपत्ति का निस्तारण मुआवजा तय करने से पहले किया जाए। मुआवजा भुगतान पूरी तरह पारदर्शी तरीके से हो और जिन किसानों की अधिकांश या पूरी कृषि भूमि अधिग्रहित हो रही है, उनके पुनर्वास एवं आजीविका के लिए विशेष योजना बनाई जाए।
ज्ञापन में यह भी कहा गया कि जिन किसानों की भूमि एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर बच रही है, उनके खेतों तक सिंचाई की सुविधा बनाए रखने के लिए पाइपलाइन और आवश्यक अंडरपास की व्यवस्था कराई जाए, ताकि खेती प्रभावित न हो।
किसानों ने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर न्यायोचित निर्णय लेने की अपील की। उनका कहना था कि इससे प्रभावित किसानों का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत होगा।इस दौरान डॉ. अभयवीर सिंह ढाका, भूपेंद्र सिंह, तुलाराम सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, बालकरण सिंह, परम सिंह, राम अवतार सिंह, रघुवीर सिंह, महेंद्र सिंह, धर्मवीर सिंह, सोहन प्रकाश, पुष्पेंद्र कुमार, वीर सिंह, विनोद कुमार, देशराज सिंह, राजकुमार शर्मा, प्रभात कुमार, राजेंद्र सिंह, रेखा देवी, छाया देवी, सुनीता देवी सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

प्रेस क्लब स्योहारा ने संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। प्रेस क्लब स्योहारा के संरक्षक एवं प्रख्यात समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार वर्मा का जन्मदिन मंगलवार देर शाम स्टेशन रोड स्थित वर्मा मैटरनिटी एंड नर्सिंग होम में केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉ. वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम, महामंत्री नजम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद आलम, रोहित रस्तोगी, इमरान मंसूरी, प्रशांत रस्तोगी, सर्वेंद्र रस्तोगी, मोहम्मद फैजान सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने केक काटकर जन्मदिन का उत्सव मनाया और आपसी सौहार्द व सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया।
इस मौके पर डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने कहा, "प्रेस क्लब स्योहारा परिवार द्वारा दिए गए इस सम्मान और स्नेह के लिए मैं सभी साथियों का हृदय से आभारी हूं। पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है और समाजहित में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी का स्नेह मेरे लिए अमूल्य है। मैं भविष्य में भी सामाजिक सेवा और जनहित के कार्यों में इसी समर्पण के साथ योगदान देता रहूंगा।"
कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

डीएम एसएसपी द्वारा बुलंदशहर से गुलावठी तक कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा बुलंदशहर से गुलावठी तक कांवड़ मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर कांवड़ यात्रा के दौरान की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।
निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न कांवड़ शिविरों का भ्रमण कर सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर

पर उन्होंने हरिद्वार से कांवड़ लेकर आ रहे कांवड़ियों से वार्ता कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा किसी भी समस्या के लिये पुलिस हेल्प लाइन नम्बर 112 डायल करने हेतु बताया गया है ।
जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ शिविरों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कांवड़ियों को गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पेयजल, चिकित्सा सहायता, शौचालय, विश्राम स्थल तथा प्रकाश व्यवस्था को निरंतर सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एसपी ने अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में समस्त शाखाओं के प्रभारियों के साथ पाक्षिक समीक्षा गोष्ठी की गई।

गोष्ठी के दौरान विभिन्न शाखाओं द्वारा संपादित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।
समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता बरतने, मिशन शक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण पर विशेष बल दिया गया।
एसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शाखा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करे तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, कार्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी शाखा प्रभारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

साइबर अपराध से बचाव के सम्बन्ध 300 छात्रों एवं अध्यापकों को जागरूक किया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० लखनऊ द्वारा बढ़ते हुए साइबर क्राइम अपराध से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल, कॉलेजो व अन्य सार्वजनिक स्थानों में साइबर अपराध से जागरूक करने हेतु निर्देश के क्रम में आज माह के प्रथम बुधवार को साइबर क्राइम थाना द्वारा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय सैसा करारी में लगभग 300 छात्रों एवं अध्यापकों को एवं अन्य थानों पर गठित साइबर हेल्प डेस्क द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध से सम्बन्धित अपराध के बारे में बताया व जागरूक किया गया और गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही साईबर हेल्प लाईन नंबर 1930 वा www.cyber-crime.gov.in के बारे में जानकारी दी गई, जिस पर तत्काल कॉल वा वेबसाईट में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराने के बारे में जानकारी प्रदान की गई। जिससे आमजनमानस साइबर फ्रॉड से बच सके। कार्यशाला में बताया गया कि प्रलोभन में आने के चलते लोग अपनी जिंदगी भर की कमाई खो बैठते हैं। इसलिए किसी भी प्रलोभन में न आएं। उन्होंने बैंक से संबंधित, क्यूआर कोड स्कैन, वाट्सएप हैक,

ओएलएक्स के माध्यम से ठगी, केवाइसी, हनी ट्रेपिंग, डुप्लीकेट एप, आनलाइन लोन स्कैम, केबीसी, इंटरनेट मीडिया से ठगी, एटीएम, सेक्सटार्शन, कंप्यूटर संबंधी फ्राड और बचाव के संबंध में जानकारी दी गयी व साइबर ठगी होने पर 1930 पर सूचना देने की अपील की गयी।
आज के दौर में सबसे ज्यादा हो रहे सेक्सटार्शन व न्यूड काल ब्लैकमेल गैंग के सदस्य फेसबुक पर खूबसूरत लड़की की फोटो लगाकर रखते हैं, सबसे पहले फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते हैं फिर फ्रेंड लिस्ट में शामिल होते ही चैटिंग करना शुरू कर देते हैं इसके बाद बातों में फंसाकर वाट्सएप नंबर मांगते हैं, वीडियो काल से बात करने को कहते हैं, काल करने पर जैसे ही दूसरी तरफ से काल रिसीव होता है सामने न्यूड गर्ल दिखाई देने लगती है। इस दौरान काल करने वाले का वीडियो रिकार्ड कर लिया जाता है। इसके बाद ब्लैकमेल कर राशि मांगना का खेल शुरू हो जाता है। इनकार करने पर रिकार्ड वीडियो को वायरल करने की धमकी देते हैं, यही नहीं आज के दौर में जिनका मो० नं0 आनलाइन पड़ा हुआ है उनको सीधे विडियो काल आ जा रही है जब तक हम कुछ समझ पाते है तब तक विडियो स्क्रिन रिकार्ड कर लेते है ऐसे में किसी भी अन्जान नम्बर से विडियो काल आने पर रिसीव ना करें, रिसीव भी करना हो तो कैमेरे पर अंगूठा रख दे। हमें जागरूक रहने की जरूरत है। साइबर अपराध होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें। एवं वेबसाइट www.cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें ।

फतेहपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में संगठित चोरी गिरोह का पदार्फाश

दो बदमाश गोली लगने से घायल, तीन गिरफ्तार, लाखों का चोरी का सामान, अवैध असलहे और वाहन बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहपुर पुलिस को बुधवार तड़के बड़ी सफलता मिली। थाना चांदपुर और थाना जहानाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान संगठित चोरी गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर बदमाशों को पैर में गोली लगने से घायल कर दिया, जबकि तीन अन्य आरोपितों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अवैध तमंचे, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें तथा भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने गिरफ्तारी करने वाली टीम को 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी जाफरगंज के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के मामलों के खुलासे के लिए अभियान चला रही थी। इसी क्रम में बुधवार सुबह थाना चांदपुर क्षेत्र के मदरी नहर पुलिया के पास वाहन चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया।

पुलिस के अनुसार, रुकने के बजाय आरोपितों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में

शशांक उर्फ रतन पटेल उर्फ गोलू (24) निवासी श्याम खेड़ा, थाना कल्याणपुर तथा छोटेलाल उर्फ छोटू कोरी उर्फ रविशंकर (25) निवासी जरारा, थाना बकेवर के पैरों में गोली लगने से वे घायल हो गए। वहीं मौके से भाग रहे शैलेन्द्र उर्फ दीपू ठोकिया (25) निवासी न्योरी जलालपुर, थाना जहानाबाद, प्रियांशू कोरी उर्फ बजरंगी (19) निवासी बहरौली, थाना बिन्दकी तथा लवकुश (18) निवासी मवईया, थाना कल्याणपुर को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

घायल बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटनास्थल का निरीक्षण क्षेत्राधिकारी जाफरगंज एवं फॉरेंसिक टीम ने किया।

पुलिस पर जानलेवा हमला करने के मामले में थाना चांदपुर में संबंधित धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे एक संगठित चोरी गिरोह के सदस्य हैं और फतेहपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रात के समय दुकानों, कबाड़ी की दुकानों, ट्यूबवेलों तथा निमार्णाधीन स्थलों से विद्युत केबिल, एल्यूमीनियम तार, सोलर पैनल, पीतल के बर्तन एवं हार्डवेयर का सामान चोरी करते थे। चोरी का माल वे बिन्दकी क्षेत्र के जहानपुर निवासी कबाड़ी ऐनुल पुत्र मजीद तथा अनुराग गुप्ता पुत्र विजय कुमार गुप्ता को बेच देते थे। पुलिस बरामद सामान का मिलान विभिन्न दर्ज चोरी के मुकदमों से कर रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

भैंस चोरी कांड का आरोपित गिरफ्तार, बिक्री से मिले 1750 रुपये बरामद

पूरामुफ्ती पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बमरौली रेलवे स्टेशन के पास से दबोचा, तीन अन्य आरोपितों की तलाश जारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में भैंस और भैंसा चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से चोरी की गई भैंस की बिक्री से मिले 1750 रुपये बरामद किए गए हैं। मामले में तीन अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, लाल बिहारा, बेगम बाजार निवासी सबी अख्तर की तहरीर पर 16 जुलाई को अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मो. इस्लाम, मो. सलाम, अबु उबैदा और हैमर उर्फ अहमद के नाम प्रकाश में आए।

बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बमरौली रेलवे स्टेशन के पास से मरियाडीह निवासी अबु उबैदा (22) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसके पास से चोरी की गई भैंस की बिक्री से प्राप्त 1750 रुपये बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ प्रयागराज के अलावा कौशाम्बी जिले में भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है।इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार, उपनिरीक्षक वरिन्द्र अहिरवार, उपनिरीक्षक अंकित कुमार, कांस्टेबल अनुज तथा रिटायर्ड कांस्टेबल रणजीत यादव शामिल रहे।

ऑटो की टक्कर से फोटोग्राफर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

फाफामऊ के पास हाईवे पर हुआ हादसा, इलाज के दौरान तोड़ा दम; चालक फरार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फाफामऊ के पुरानी चुंगी के समीप लखनऊ हाईवे पर ऑटो की टक्कर से स्कूटी सवार फोटोग्राफर की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ऑटो लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महावीरपुरी, थाना शिवकुटी निवासी 44 वर्षीय सुधीर कुमार श्रीवास्तव फाफामऊ स्थित विकास स्टूडियो में फोटोग्राफर का काम करते थे। मंगलवार रात वह किसी कार्य से स्कूटी से शांतिपुरम जा रहे थे। पुरानी चुंगी के पास तेज रफ्तार ऑटो ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर परिजन भी पहुंच गए। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी सरोज श्रीवास्तव, पुत्री अपूर्वा और पुत्र उज्ज्वल का रो-रोकर बुरा हाल है। फाफामऊ पुलिस ने पुत्र की तहरीर पर अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कंटेनर ट्रेन परिचालकों को बड़ी राहत, अब एक ही अखिल भारतीय लाइसेंस से पूरे देश में कर सकेंगे संचालन

प्रयागराज। भारतीय रेलवे ने कंटेनर ट्रेन परिचालकों (सीटीओ) के लिए लाइसेंस व्यवस्था को और सरल एवं उद्योग हितैषी बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेलवे ने मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट (एमसीए) में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी।

उन्होंने बताया कि इसके तहत अब कंटेनर ट्रेन परिचालकों को पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर संचालन के लिए अलग-अलग श्रेणियों के बजाय एक ही अखिल भारतीय (ऑल इंडिया) लाइसेंस प्रदान किया जाएगा। इन संशोधनों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से लागू किया जाएगा।

अब पूरे देश के लिए एक ही लाइसेंस

नई व्यवस्था के तहत अब मार्गवार लाइसेंस श्रेणियों की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। रेल मंत्रालय की स्वीकृति के बाद कंटेनर ट्रेन परिचालकों को एकल अखिल भारतीय लाइसेंस मिलेगा, जिससे वे भारतीय रेलवे के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का संचालन कर सकेंगे।

25 करोड़ रुपये का एक समान पंजीकरण शुल्क

पहले विभिन्न मार्ग श्रेणियों के अनुसार अलग-अलग पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब सभी नए आवेदकों के लिए 25 करोड़ रुपये का एक समान, गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। इस शुल्क के बाद उन्हें पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर संचालन की अनुमति मिलेगी।

लाइसेंस अवधि बढ़ाने पर नहीं लगेगा कोई शुल्क

संशोधित नियमों के अनुसार, कंटेनर ट्रेन परिचालक के लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बाद उसके संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर 20 वर्ष के लिए पुनः विस्तार दिया जा सकेगा। इस विस्तार या भविष्य में होने वाले किसी भी विस्तार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

राहुल गांधी के कार्यक्रम छात्रों की गूंज को लेकर सदर तहसील में हुई बैठक

अधिवक्ताओं के साथ किया विचार विमर्श

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज की सदर तहसील में बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता फाफामऊ विधानसभा की प्रभारी, प्रदेश महासचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ की सदस्य श्रीमती मंजू मौर्य ने की। बैठक में क्षेत्रीय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे "छात्रों की

गूंज" अभियान पर विशेष रूप से विचार-विमर्श हुआ। अभियान के उद्देश्यों तथा छात्रों के अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपना समर्थन व्यक्त किया। अधिवक्ताओं ने इस अभियान की सराहना करते हुए इसे युवाओं एवं छात्रों की आवाज को सशक्त रूप से उठाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

बैठक में अधिवक्ता वर्ग ने अपनी सुरक्षा, सम्मान तथा कार्यस्थल पर अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम' लागू किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती मंजू मौर्य ने सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के प्रबुद्ध वर्ग का सहयोग जनहित के मुद्दों को मजबूती प्रदान करता है। बैठक में सदर तहसील के अनेक वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित अधिवक्ता मो मुदस्सिर, अफजाल अहमद आदि तथा स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीरजापुर: जमीन के विवाद से परेशान युवक ने थाने में किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिस ने बचाई जान

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में जिगना थाना परिसर में बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जमीन विवाद से परेशान एक युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को पकड़ लिया और उसके हाथ से माचिस छीनकर बड़ी अनहोनी टाल दी।

जानकारी के मुताबिक, गौरा गांव निवासी वंशराज सिंह ने आरोप लगाया कि वह अपनी पुश्तैनी जमीन पर पक्की दीवार का निर्माण करा रहे थे। इस दौरान गांव के कुछ लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों के साथ हमला कर दिया। आरोप

है कि हमलावरों ने करीब 10 फीट ऊंची दीवार गिरा दी, पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाया और विरोध करने पर उनके तथा परिवार की महिलाओं और अन्य सदस्यों के साथ मारपीट की। उनका यह भी आरोप है कि पीआरवी पुलिस के पहुंचने के बाद भी हंगामा जारी रहा और विपक्षी उसी जमीन पर निर्माण कराने लगे।

घटना के बाद घायल वंशराज सिंह अपने परिजन के साथ जिगना थाने पहुंचे। थाने में पिता को घायल अवस्था में बैठा देखकर उनका बेटा धर्मेंद्र सिंह भावुक हो गया और कथित रूप से पेट्रोल की बोतल निकालकर खुद पर उड़ेल ली। जैसे ही उसने माचिस जलाने का प्रयास किया, वहां मौजूद नायब दरोगा और पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे पकड़ लिया और आत्मदाह की कोशिश विफल कर दी।

थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई है।

सुधवर प्रकरण में शिक्षक संघ ने उठाई बहाली की मांग, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। प्राथमिक विद्यालय सुधवर में छात्र की मौत के बाद निलंबित किए गए शिक्षकों की बहाली की मांग को लेकर बुधवार को प्राथमिक शिक्षक संघ, कौशाम्बी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुशवाहा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षक प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर निलंबन आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की।संघ का कहना है कि घटना के बाद तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर विद्यालय के पूरे स्टाफ को निलंबित कर दिया गया था। जबकि बाद में आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्र के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी

चोट का उल्लेख नहीं है और मृत्यु का कारण निमोनिया से उत्पन्न चिकित्सीय जटिलता बताया गया है। शिक्षक संघ ने मांग की कि जांच में सभी तथ्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को शामिल करते हुए निष्पक्ष निर्णय लिया जाए।जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कहा कि बिना विस्तृत जांच के की गई कार्रवाई से शिक्षकों में असंतोष है। वहीं जिलामंत्री रामबाबू दिवाकर ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से शिक्षकों का मनोबल प्रभावित होता है तथा उनमें असुरक्षा की भावना पैदा होती है। उन्होंने प्रकरण का शीघ्र निस्तारण कर निलंबित शिक्षकों को बहाल करने की मांग की।बीएसए कमलेंद्र कुशवाहा ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित सभी उपलब्ध साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जाएगा। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए बहाली के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ईश्वर शरण सिंह, भोलानाथ चौधरी, डॉ. आलोक सोनी, रमेश सिंह, डॉ. विनय सिंह, अफरोज आलम, विनोद सिंह, आशीष शुक्ल, सुखलाल, भीम प्रकाश, अनुराग यादव, शैलेन्द्र, विकास, अवधेश समेत बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

सीडीओ ने डेयरी कांक्लेव का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को वितरित किया गया चयन पत्र

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बुधवार को विकास भवन सभागार में डेयरी कांक्लेव का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह द्वारा किया गया, इसमें जनपद के पशुपालन विभाग के समस्त अधिकारी डेयरी विभाग के समस्त अधिकारी एवं डेयरी योजना से संबंधित सभी लाभार्थी प्रगतिशील पशुपालक द्वारा प्रतिभाग किया गया। कुल भास्कर डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर, कृषि विज्ञान केंद्र नैनी के वैज्ञानिक एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा डेयरी योजना एवं विभागीय योजनाएं से संबंधित व्याख्यान दिया गया। वित्तीय वर्ष 26-27 में मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना के चयनित लाभार्थियों को चयन पत्र भी वितरित किया गया।

पूरामुफ्ती पुलिस ने गांवों में पैदल गश्त कर हिस्ट्रीशीटरों के घर दी दबिश

असरौली और हटवा में चलाया चेकिंग अभियान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरामुफ्ती पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के असरौली और हटवा गांव में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने गौकशी से जुड़े संदिग्धों और हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के घरों पर दबिश देकर जांच-पड़ताल की।

प्रभारी निरीक्षक पूरामुफ्ती के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने क्षेत्र में लोगों से संवाद भी किया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। चेकिंग के दौरान किसी भी संदिग्ध या वांछित व्यक्ति के मौके पर नहीं मिलने की जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। ::

तिरंगा अभियान के माध्यम से राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना जन जन तक पहुंचेगी- धर्मराज

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंझनपुर में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित जिला कार्यशाला को जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित कर तिरंगा यात्रा पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा किया तय।

काशी क्षेत्र से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा अभियान से प्रत्येक घर,गांव,नगर और मोहल्ले तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाने का माध्यम है। तिरंगे के सम्मान के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया करना है। यह अभियान जाति,वर्ग,भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता,अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश देता है।इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा अभियान भारत के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान,देशभक्ति और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का अभियान है। यह अभियान केंद्र सरकार द्वारा भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद के सभी सांगठनिक मण्डल स्तर एवं जिला स्तर पर वृहद रूप से चलाया जाएगा।हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा महज एक कपड़े का टुकड़ा नहीं,बल्कि यह हमारी आजादी,बलिदान,और अटूट एकता का सबसे बड़ा प्रतीक है।जब हम हाथ में तिरंगा लेकर सड़कों पर निकलते हैं,तो यह यात्रा हमारे अंदर एक नया जोश और राष्ट्रप्रेम जगा देती है।हमारे कितने ही स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है।इस यात्रा के माध्यम से हम हर घर,हर दिल तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुँचाना चाहते हैं। यह हमें याद दिलाता है कि हम चाहे किसी भी धर्म,जाति या क्षेत्र से हों,लेकिन सबसे पहले हम एक भारतीय हैं।

हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने देश के संविधान और इस तिरंगे के सम्मान को हमेशा सर्वोपरि रखेंगे और एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना पूरा योगदान दें।हर घर तिरंगा अभियान केवल तिरंगा फहराने का नहीं,बल्कि राष्ट्रभक्ति,एकता और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान है।10 से 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर एवं तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रगौरव के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।ऐसी अपील की इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक एवं जिला महामंत्री जगदीश सरोज,कार्यक्रम सह संयोजक व जिला उपाध्यक्ष चक्रेश मिश्रा,कमलेश निषाद,दिनेश पाण्डेय,निवर्तमान विधायक मंझनपुर लाल बहादुर,नगर पालिका अध्यक्ष भरवारी कविता पासी,जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शीलू पाण्डेय,भोलेशंकर कुशवाहा,भूपेंद्र पटेल,जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी,राकेश पाण्डेय सहित सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण,मण्डल अध्यक्षगण,मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहें।

डीएम की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने योजनाओं के क्रियान्वयन में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को एनआईसी कक्ष में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा में विकास खण्ड श्रृंगवेरपुर में बनाये जाने वाले कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण हेतु निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद भी कार्य अनारम्भ पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता यूपीसिडको को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जीरो पॉवर्टी योजना के अन्तर्गत आने वाले 15250 लाभार्थियों के विद्युत संयोजन के सत्यापन का कार्य लम्बित पाये जाने जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत नोडल को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को जीरो पॉवर्टी के तहत चिन्हित लाभार्थियों को शत-प्रतिशत योजनाओं से संतृप्त कराये जाने

हेतु निर्देशित किया है।

जनपद में हेलीपैड बनाये जाने हेतु 16 स्थानों के चिन्हीकरण का कार्य अभी तक न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी प्र0ख0 को शीघ्रता से स्थानों का चिन्हीकरण कराये जाने का निर्देश दिया है। गोसंवर्धन योजना की समीक्षा में दो ईकाईयों की स्थापना से सम्बंधित कार्य अवशेष पाये जाने पर जिलाधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को तत्काल स्थापना की कार्यवाही को पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में जिलाधिकारी ने विंध्य एक्सप्रेस-वे के कार्य की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को शेष बचे हुए 23 ग्रामों के प्रस्ताव को सभी कार्यवाही पूर्ण करते हुए शीघ्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए है। मिनी नंदिनी कृषि समृद्धि योजना के अन्तर्गत 03 लाभार्थियों के ऋण की स्वीकृति को शीघ्रता से कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने लखपति दीदी के चयन की कार्यवाही में डीसी एनआरएलएम को शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतोष कुमार सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

एक निर्वासित लेखिका की नजर में समाज की रूपरेखा

कोलकाता में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेशी मूल की निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने जिन मुद्दों पर अपनी राय रखी, उन्होंने केवल साहित्यिक जगत ही नहीं बल्कि राजनीति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और दक्षिण एशिया के सामाजिक विमर्श को भी नई चर्चा का विषय बना दिया। लगभग दो दशक बाद कोलकाता लौटने के बाद उनका यह सार्वजनिक संवाद कई कारणों से महत्वपूर्ण माना गया। उन्होंने कवि जय गोस्वामी के साथ मंच पर हुई घटना पर दुख व्यक्त किया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन किया, समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दिया, बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की और भारत तथा बांग्लादेश के संबंधों पर भी अपने विचार रखे। उनके वक्तव्यों ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा किया कि लोकतांत्रिक समाज में विचारों की असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

सबसे पहले चर्चा उस घटना की हुई जिसमें प्रसिद्ध बंगाली कवि जय गोस्वामी को मंच पर बुलाए जाने के बाद दर्शकों के एक वर्ग के विरोध के कारण उन्हें बोलने का अवसर नहीं मिल सका। तसलीमा नसरीन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति है तो उसका उत्तर संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि उसे बोलने से रोककर। उनके अनुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन तभी सार्थक है जब वह केवल अपने विचारों तक सीमित न रहकर विरोधी विचारों के लिए भी समान रूप से लागू हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी लेखक, कवि या बुद्धिजीवी को केवल वैचारिक मतभेद के आधार पर मंच से दूर रखना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता। यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण बन गई क्योंकि तसलीमा नसरीन स्वयं पिछले तीन दशकों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रश्न से जुड़ी रही हैं। अपने लेखन के कारण उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा और लंबे समय तक विभिन्न देशों में निर्वासन का जीवन बिताना पड़ा। उन्होंने कई बार यह कहा है कि किसी भी लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वहां असहमति रखने वाले लोगों को किस प्रकार का स्थान मिलता है। उनके अनुसार विचारों का मुकाबला विचारों से होना चाहिए, न कि प्रतिबंधों या भय के वातावरण से। यही कारण है कि उन्होंने जय गोस्वामी प्रकरण को केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक संस्कृति का प्रश्न बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की विभिन्न सरकारों के साथ अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि अलग अलग समय में उन्हें अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उनके इस वक्तव्य ने राजनीतिक हलकों में भी चर्चा पैदा की। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि किसी भी सरकार की वास्तविक कसौटी यह है कि वह सभी नागरिकों और लेखकों को बिना वैचारिक भेदभाव के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उपलब्ध कराए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का दायित्व केवल समर्थकों की सुरक्षा करना नहीं बल्कि आलोचकों की अभिव्यक्ति की भी रक्षा करना है।

तसलीमा नसरीन ने समान नागरिक संहिता के प्रश्न पर भी स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में भी सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। उनके अनुसार अलग अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण विशेष रूप से महिलाओं को अनेक प्रकार की असमानताओं का सामना करना पड़ता है। उनका तर्क था कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य किसी धर्म का विरोध करना नहीं बल्कि नागरिकों को समान अधिकार और समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समान कानून लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

समान नागरिक संहिता का विषय स्वयं भारत में लंबे समय से सार्वजनिक और राजनीतिक बहस का विषय रहा है। इसके समर्थक इसे समानता और न्याय की दिशा में आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि आलोचकों का मत है कि इस विषय पर व्यापक संवाद और सभी समुदायों की भागीदारी आवश्यक है। तसलीमा नसरीन का दृष्टिकोण इस बहस के एक पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें महिलाओं के अधिकारों को केंद्र में रखा गया है। उनके वक्तव्य ने इस चर्चा को फिर से प्रमुखता दिलाई है।

नकली धर्मगुरुओं के खिलाफ कार्रवाई करना क्यों आवश्यक है?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत को हमेशा से संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक ज्ञान की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। सदियों से पवित्र पुरुष और महिलाएं दूसरों को करुणा, सत्य, आत्म-अनुशासन और सेवा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। विभिन्न सुधारकों और संतों के सिद्धांतों ने भारतीय समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया है और लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक बाधाओं से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है। लाखों भारतीयों के जीवन में आस्था का सर्वोपरि स्थान है, क्योंकि यही पवित्रता परम वास्तविकता है।

लेकिन देश में ऐसे लोगों का उदय हुआ है जो अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करते हैं, जिन्हें धर्मगुरु का उपनाम दिया गया है। वे धन, प्रभाव और निर्विवाद सत्ता के साम्राज्य स्थापित करने के लिए तथाकथित आध्यात्मिक भाषा को बढ़ावा देते हैं। भारत में कई मामलों में ऐसी महिलाओं पर यौन शोषण, संपत्ति मालिक को धोखा देना, अवैध भूमि अधिग्रहण, धमकी आदि जैसे गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है या उन्हें दोषी ठहराया गया है। इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए।

भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या आध्यात्मिक नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप।

धर्म का शोषण, पाखंडी धर्मगुरुओं द्वारा लोगों के लिए उत्पन्न किए जाने वाले सबसे बड़े खतरों में से एक है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त, भावनात्मक या मानसिक तनाव से जूझ रहे, या आर्थिक तंगी से परेशान लोग, बिना किसी संदेह के ऐसे करिश्माई व्यक्तित्व के संपर्क में आ जाते हैं जो चमत्कारिक इलाज, अचानक धन-दौलत और जीवन की समस्याओं का चमत्कारिक, अलौकिक समाधान देने का वादा करता है। इस शोषण के कारण पीड़ितों और उनके परिवारों को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव या इससे भी बदतर, जीवन भर कष्ट भोगना पड़ सकता है।

दुर्भाग्य से, अंधविश्वास फैलाने वाले ही एकमात्र लोग नहीं हैं। बल्कि यह समाज की भी ज़िम्मेदारी है जो पूछताछ करने और आलोचनात्मक रूप से सोचने की अनिच्छा को बढ़ावा देता है।

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है।

ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वार्ताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए।

इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है।

एफसीआरए और एनजीओ: राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल पारदर्शिता और जवाबदेही का नया युग

अशोक भाटिया

किसी भी संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अपनी आंतरिक सुरक्षा, राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक ताने-बाने को बाहरी ताकतों के अवांछित प्रभाव से सुरक्षित रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। वैश्वीकरण के इस दौर में जहां पूंजी का सुगम प्रवाह सुनिश्चित हुआ है, वहीं विदेशी धन के जरिए देश की संप्रभुता को प्रभावित करने वाली आशंकाएं भी समानांतर रूप से बढ़ी हैं। भारत में विदेशी चंदे की निगरानी, नियमन और नियंत्रण के लिए ह्यविदेशी अंशदान विनियमन अधिनियमह्न यानी एफसीआरए एक मजबूत संवैधानिक और विनियामक ढाल के रूप में कार्य कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा संचालित यह कानून समय और देश की सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ लगातार अधिक सुदृढ़ हुआ है। वर्ष 2026 में देश के विधायी और प्रशासनिक स्तर पर लागू किए गए ऐतिहासिक ह्यएफसीआरए संशोधन नियमोंह्न, नए पेश विधेयक और अत्याधुनिक डिजिटल सुधारों ने भारत में विदेशी फंडिंग के संचालन को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और राष्ट्रहित के अनुकूल बना दिया है।

भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में विदेशी पूंजी के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में प्रशासनिक सुगमता और डिजिटल गवर्नेंस को जोड़ते हुए एक बड़ी घटना सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंसह्न के मूल विजन को धरातल पर उतारते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 जून 2026 को नई दिल्ली में अत्याधुनिक ह्यएफसीआरए 2.0 पोर्टलह्न को देश को समर्पित किया। राष्ट्रीय सरकारी क्लाउड ह्यमेघराजह्न पर पूरी तरह सुरक्षित तरीके से होस्ट किया गया यह नया संस्करण डिजिटल पारदर्शिता का एक अनूठा वैश्विक मानक स्थापित करता है। इस पोर्टल की शुरूआत के समय केंद्रीय गृह सचिव, विदेश सचिव और खुफिया ब्यूरो (कइ) के महानिदेशक जैसी देश की शीर्ष सुरक्षा हस्तियों की उपस्थिति ने इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया था।

इस अत्याधुनिक तकनीकी सुधार के पीछे सरकार का प्राथमिक उद्देश्य देश के ईमानदार, पारदर्शी और वास्तविक रूप से राष्ट्र निर्माण में जुटे संगठनों के लिए विनियामक अनुपालन प्रक्रिया को पूरी तरह पेपरलेस, त्वरित और सुगम बनाना है। ह्यएफसीआरए 2.0 पोर्टलह्न के क्रियान्वयन से अब कागजी फाइलों की भौतिक प्रस्तुति की अनिवार्यता पूरी तरह समाप्त हो गई है। नए डिजिटल ढांचे में अत्याधुनिक आधार-आधारित प्रमाणीकरण, डिजिटल सिग्नेचर , और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन आधारित स्वचालित दस्तावेज विश्लेषण जैसी सुविधाएं अंतर्निहित की गई हैं। इस तकनीकी अपग्रेडेशन का परिणाम यह हुआ है कि जहां एक तरफ पारदर्शी और सही तरीके से काम करने वाले एनजीओ को त्वरित और बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के डिजिटल मंजूरी मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ वास्तविक समय में फंड ट्रैकिंग की व्यवस्था लागू होने से देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त या संदिग्ध खातों और विदेशी स्त्रोतों पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखना बेहद आसान हो गया है।

सरकार द्वारा उठाए गए इन सख्त कदमों और विनियामक कड़ाई के औचित्य को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के माध्यम से बेहद स्पष्टता से समझा जा सकता है। ये आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि सरकार की नीति का उद्देश्य किसी भी वैध सामाजिक संस्था को परेशान करना नहीं, बल्कि वित्तीय जवाबदेही की एक ऐसी अचूक प्रणाली स्थापित करना है जिससे देश की सुरक्षा अभेद्य रहे।

आधिकारिक सरकारी डेटा के अनुसार, साल 2012 से लेकर अब तक देश भर में कुल 52,159 संस्थाओं को विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए एफसीआरए लाइसेंस जारी किए गए थे।

लोकिन पिछले कुछ वर्षों में किए गए कड़े वित्तीय ऑडिट, वार्षिक रिटर्न की सघन जांच और नियमों के अनुपालन के कठोर मापदंडों के लागू होने के बाद, वर्तमान में देश भर में केवल 14,455 एनजीओ ही सक्रिय बचे हैं—यानी मूल रूप से पंजीकृत संस्थाओं में से केवल करीब 28 प्रतिशत संगठन ही वर्तमान में वैध रूप से विदेशी चंदा पाने और उसका उपयोग करने की पात्रता रखते हैं।

गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड और आधिकारिक आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण से यह साफ होता है कि अब तक लगभग 22,498 एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस सीधे तौर पर नियमों के गंभीर उल्लंघन के कारण रद्द किए जा चुके हैं, जबकि 15,206 से अधिक अन्य लाइसेंसों की अवधि उनके समय पर रिन्यूअल न होने या विनियामक कमियों के कारण स्वतः समाप्त मान ली गई है।

गृह मंत्रालय ने इस संबंध में संसद और सार्वजनिक मंचों पर देश के सामने यह स्थिति स्पष्ट की है कि लाइसेंस रद्द होने या समाप्त होने का एकमात्र कारण वित्तीय धोखाधड़ी ही नहीं है, बल्कि कई मामलों में संगठनों द्वारा बुनियादी नियमों का पालन न करना रहा है, जैसे लगातार कई वर्षों तक अपना अनिवार्य वार्षिक रिटर्न दाखिल न करना, निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने लाइसेंस का नवीनीकरण न कराना या कानूनन अनिवार्य किए गए बैंक खातों को सक्रिय न रखना।

महाराष्ट्र सरकार की सराहनीय पहल : उन्नत बचपन की पहली शर्त-स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

ललित गर्ग

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है।

आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है।

विदेश में डंकी रूट से साइबर धोखाधड़ी तक में फंसते भारतीय

संजय सक्सेना

भारत में अवैध घुसपैठ हमेशा से एक संवेदनशील राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दा रहा है, जिस पर हर चुनाव और संसद के हर सत्र में सियासी दल अपनी रोटियां सेकते नजर आते हैं। सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्रीय अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के नाम पर बहसें और तीखे बयान राजनीति का स्थायी हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब जमीनी हकीकत और सरकारी आंकड़ों की कसौटी पर इस बहस को परखा जाता है, तो एक बेहद चौंकाने वाली और विरोधाभासी तस्वीर उभरकर सामने आती है। विदेश मंत्रालय की तरफ से संसद में रखे गए हालिया आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि एक तरफ जहां भारत अपनी सरहदों के भीतर अवैध प्रवासियों पर नकेल कसने में प्रशासनिक और कानूनी जटिलताओं के चलते संघर्ष कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के अलग-अलग देशों में रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में गए हजारों भारतीय अवैध आप्रवासन के जाल में फंसकर हर साल डिपोर्ट किए जा रहे हैं। यह स्थिति न केवल भारत की घरेलू सुरक्षा प्रणालियों की सीमाओं को उजागर करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि कैसे वैश्विक स्तर पर भारतीय नागरिक कड़े आव्रजन कानूनों के शिकार बन रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केवल वर्ष 2025 में ही करीब 19,811 भारतीयों को दुनिया के विभिन्न देशों में अवैध आप्रवासन के आरोप में हिरासत में लिया गया और फिर उन्हें वापस उनके वतन भेज दिया गया। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि बेरोजगारी, गरीबी और बेहतर आजीविका की लालसा में युवा किस हद तक जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। इसके विपरीत, यदि भारत के भीतर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति बिल्कुल उलट और बेहद सुस्त प्रतीत होती है। हालांकि भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आधिकारिक और समेकित आंकड़े सार्वजनिक रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन विभिन्न खुफिया, सुरक्षा और प्रशासनिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी बताती है कि देश में हर साल बमुश्किल दो से ढाई हजार विदेशी नागरिकों को ही हिरासत में लिया जाता है और फिर लंबी कानूनी तथा कूटनीतिक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद उन्हें डिपोर्ट किया जाता है। यह विसंगति देश की आंतरिक सुरक्षा और प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाती है कि आखिर सीमाओं के रास्ते आने वाले लाखों अवैध प्रवासियों की तुलना में यह आंकड़ा इतना कम क्यों है।

वर्ष 2025 के आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर यह साफ हो जाता है कि भारतीय नागरिकों के डिपोर्टेशन का दायरा केवल पारंपरिक रूप से खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अब दुनिया के कोने-कोने तक फैल चुका है। खाड़ी देशों में भारत से नजदीकी और रोजगार के प्रचुर अवसरों के कारण बड़े पैमाने पर लोग जाते हैं, लेकिन कई बार वीजा की अवधि समाप्त होने, समय पर नवीनीकरण न होने या फिर एजेंटों के बहकावे में आकर लोग अवैध रूप से कार्य करने लगते हैं। 2025 में अकेले संयुक्त अरब अमीरात से 7,896 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जो किसी भी एक देश से सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह अमेरिका से 3,500 भारतीयों को वापस भेजा गया, जो इस बात का संकेत है कि ह्यडंकी रूटह्न या अवैध रास्तों से अमेरिका में प्रवेश करने का क्रेज युवाओं में कितना घातक साबित हो रहा है। मलेशिया से 1,675, म्यांमार से 1,676 और कंबोडिया से 1,300 भारतीयों को भारत वापस भेजा गया। कंबोडिया और म्यांमार जैसे देशों से डिपोर्टेशन के मामलों में हाल के वर्षों में भारी उछाल आया है, जिसके पीछे साइबर फ्रॉड और नौकरी के फर्जी विज्ञापनों के जरिए युवाओं को बंधक बनाए जाने और अवैध गतिविधियों में धकेले जाने के मामले मुख्य कारण रहे हैं।

सबसे दिलचस्प और चौंकाने वाली बात यह है कि भारतीय नागरिक अब उन छोटे-छोटे और अप्रत्याशित देशों से भी डिपोर्ट हो रहे हैं, जिनके बारे में आम तौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में जॉर्जिया में 12, कोलंबिया में 30, जमैका में 3, लिथुआनिया में 4, माल्टा में 3, स्लोवाक गणराज्य में 27 और यहां तक कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी 231 भारतीयों को हिरासत में लिया गया या डिपोर्ट किया गया। लैटिन अमेरिकी देश जैसे कोलंबिया और कैरेबियाई देश जैसे जमैका अमेरिकी महाद्वीप में प्रवेश करने के लिए अवैध एजेंटों द्वारा ट्रांजिट रूट के रूप में उपयोग किए जाते हैं, जहां भारतीय नागरिक मानव तस्करों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं और अंततः विदेशी जेलों या हिरासत केंद्रों में पहुंचते हैं। यूरोपीय देश जैसे लिथुआनिया, माल्टा और स्लोवाकिया भी अब ऐसे भारतीयों के निशाने पर हैं, जो शेंगेन वीजा के नियमों का उल्लंघन कर पश्चिमी यूरोप में दाखिल होना चाहते हैं, लेकिन कानूनों के शिकंजे में फंसकर वापस भेज दिए जाते हैं।

विधान भवन पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में हेलीकॉप्टर से होगी पुष्पवर्षा, मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी.गोयल ने मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन गरिमामय, भव्य तथा राष्ट्रभक्ति की भावना से परिपूर्ण वातावरण में किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर आजादी के अमृत महोत्सव तथा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, ताकि नागरिकों में राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना और अधिक सुदृढ़ हो।
उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को विधान भवन के समक्ष मुख्यमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे तथा प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे।

समारोह का व्यापक प्रचार-प्रसार दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए तथा दूरदर्शन, लखनऊ द्वारा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर प्रदेश की विगत नौ वर्षों की विकास उपलब्धियों, स्वतंत्रता संग्राम तथा वीरता गाथाओं पर आधारित फोटोग्राफी प्रदर्शनी सूचना विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से आयोजित की जाए। साथ ही सूचना विभाग द्वारा "विकसित प्रदेश, विकसित नगर एवं विकसित गांव की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश" विषय पर प्रदर्शनी लगाई जाए। इसके अतिरिक्त "आजादी का अमृत महोत्सव", "भारत का ग्रोथ इंजन उत्तर प्रदेश", "माटी को नमन, वीरों का वंदन" जैसी थीम पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट विकसित किए जाएं।
उन्होंने विधान भवन परिसर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों की मरम्मत, रंग-रोगन एवं अन्य आवश्यक सौंदर्यीकरण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विधान भवन के समक्ष स्थापित स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह एवं स्वर्गीय गोविंद बल्लभ पंत सहित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं, लॉन एवं उद्यानों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही आमंत्रण पत्रों का समय से वितरण तथा आमंत्रित अतिथियों के लिए सुव्यवस्थित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने लखनऊ विकास प्राधिकरण को आयोजन स्थल पर आवश्यकतानुसार आकर्षक गमलों की व्यवस्था करने तथा मुख्यमंत्री आवास से विधान सभा तक पुष्प सज्जा एवं स्वतंत्रता दिवस तथा राष्ट्रप्रेम की भावना पर आधारित पुष्प आकृतियां विकसित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार की सजावट शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी किए जाने के निर्देश दिए।
मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी, लखनऊ को नागरिक उड्डयन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर समारोह के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जोगियादरी में बनेगा चेक डैम, डीएम ने सर्वे और एस्टीमेट जल्द तैयार करने के दिए निर्देश

मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय का भी किया निरीक्षण, गुणवत्ता से समझौता न करने की चेतावनी

मीरजापुर।
जनपद में जल संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मंगलवार को जोगियादरी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित चेक डैम निर्माण स्थल का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर स्थल का सर्वे कर मैप तैयार करने और सीपेज की संभावना का परीक्षण करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं, अधिशासी अभियंता एमसीडी को चेक डैम निर्माण का विस्तृत प्राक्कलन (एस्टीमेट) शीघ्र तैयार करने को कहा, ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध ढंग से शुरू कराया जा सके।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार, अधिशासी अभियंता एमसीडी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कीर्ति कुमार मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।
इसके बाद जिलाधिकारी ने मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय पहुंचकर निमार्णाधीन एडमिन ब्लॉक तथा एकेडमिक ब्लॉक-ए और बी का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था और अधिकारियों को निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग करने तथा निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एनसीसी 15 यूपी बटालियन में नए सत्र के लिए भर्ती की तैयारी तेज, एएनओ सम्मेलन आयोजित

प्रयागराज।
एनसीसी 15 यूपी बटालियन ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए भर्ती प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रयागराज जनपद बटालियन मुख्यालय में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स (एएनओ) का सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में बटालियन से जुड़े विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के एएनओ ने भाग लिया।
सम्मेलन की अध्यक्षता 15 यूपी बटालियन की कमांडिंग ऑफिसरकर्नल रितु श्रीवास्तव रावत ने की। उन्होंने कहा कि योग्य

विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें एनसीसी से जोड़ने में एएनओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पारदर्शी, योग्यता आधारित और समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे एनसीसी प्रशिक्षण की गुणवत्ता और अनुशासन के उच्च मानक बनाए रखने में सहायता मिलेगी।
सम्मेलन में भर्ती के संशोधित कार्यक्रम, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, शारीरिक दक्षता मानक, चिकित्सीय परीक्षण, ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया तथा कैडेटों की नामावली समय से उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही वरिष्ठ एवं कनिष्ठ डिवीजन तथा विंग में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और छात्राओं की अधिक भागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया।
एएनओ को अपने-अपने शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाने, इच्छुक विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र आयोजित करने तथा भर्ती संबंधी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन कराने के निर्देश दिए गए।

हर घर तिरंगा जन-जन के सम्मान का अभियान, इसे हृदय से लगाएं: नीरज सिंह

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय में मंगलवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज राष्ट्रभक्ति का जन आंदोलन बन चुका है। यह अभियान प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, गौरव और आत्मीयता की

भावना को मजबूत कर रहा है।
उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है, इसलिए इसे हृदय से अपनाना चाहिए।
नीरज सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों, शहीद स्थलों और सार्वजनिक परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 13 अगस्त को जिलेभर में भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी, जबकि 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर मौन जुलूस और संगोष्ठियों का आयोजन होगा।
जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कार्यकताओं से प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 घरों तक अभियान पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए यहां तिरंगा अभियान का विशेष महत्व है। महापौर बिहारी लाल आर्य ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल ध्वजारोहण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिकों को राष्ट्रध्वज से भावनात्मक रूप से जोड़ने का अभियान है।
कार्यक्रम के अंत में अभियान संयोजक अमित साहू ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मुख्य अतिथि, जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर महामंत्री विकास कुशवाहा, विनोद नायक, शुभम बनर्जी, राहुल कुशवाहा और प्रणय अग्रवाल सहित जिला एवं मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नोएडा : विभिन्न सड़क हादसों में पांच की मौत

नोएडा।
नोएडा में विभिन्न जगहों पर हुए सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में मंगलवार शाम को हुए एक सड़क हादसे में एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।
थाना बादलपुर क्षेत्र में मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में कासगंज निवासी 20 वर्षीय नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना बादलपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी तरह थाना जारचा क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में हापुड़ निवासी 40 वर्षीय अंकुर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में मुजफ्फरनगर निवासी 42 वर्षीय शाहनवाज गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई इसके अलावा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुई एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय ललित कुमार घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पंचर मिस्त्री की मौत

मीरजापुर।
पड़री थाना क्षेत्र के डगमगपुर में बुधवार सुबह बिजली केबल जोड़ते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक पंचर मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।
अहरौरा थाना क्षेत्र के पटियटा खुटहा गांव निवासी अजहरुद्दीन (40) पिछले तीन वर्षों से डगमगपुर स्थित क्रेशर प्लांट के पास पंचर बनाने की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया जा रहा कि दुकान की बिजली आपूर्ति बाधित होने पर बुधवार सुबह करीब सात बजे वह केबल जोड़ने के लिए नीम के पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने की इच्छा जताई, जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई और पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।
अजहरुद्दीन चार भाइयों में सबसे बड़े थे। वह पंचर बनाने का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके निधन से पत्नी सिब्बी बेगम, पुत्र ऐनुल, ईबरार तथा अन्य परिजन का रो-रोकर हाल बेहाल है। पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर शोक का माहौल है।

सोनभद्र सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, दो घायल

सोनभद्र।
उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर मधुपुर फ्लाई ओवर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक ही बाइक पर सवार चार लोगों में दो लोगों की मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये है।
परही गांव निवासी सुभाष यादव (27) अपने रिश्तेदार के यहां सुकृत गया था। वह वहां से बुधवार को तेतरा देवी (70) और आर्यन(7) अपनी मां के साथ चारो लोग एक ही बाइक पर सवार हो कर मधुपुर के लिये निकले थे। दोपहर 11:30 बजे वह लोग मधुपुर फ्लाईओवर के समीप पहुँचते ही थे तभी पीछे से एक बस उन लोगों को टक्कर मारते हुए निकल गई।
इस दुर्घटना में सुभाष एवं तेतरा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वही, बच्चे और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गयी। सुचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मधुपुर भेजवाया जहां बच्चे को प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

नासी की सदस्यता के लिए बीएचयू के तीन संकाय सदस्य चयनित, विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के तीन संकाय सदस्यों का वर्ष 2026 के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (नासी), प्रयागराज की प्रतिष्ठित सदस्यता के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।
नासी द्वारा जारी चयनित अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव प्रताप सिंह तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार वर्मा का चयन 'कृषि एवं पादप विज्ञान' श्रेणी में किया गया है।

पत्नी और सास के उत्पीड़न के चलते युवक ने की आत्महत्या, मुकदमा दर्ज

नोएडा।
बादलपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहू ने उसके भाई के बेटी की शादी के लिए घर पर रखी गई रकम चोरी कर लिया। अपनी मां और अपने नाम एफडी करवाया और एक फ्लैट बुक करवा लिया। इस बात से परेशान होकर उसके बेटे ने आत्महत्या कर लिया है। उसने आरोप लगाया है कि उसकी बहू के किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम संबंध हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।
थाना बादलपुर के प्रभारी विजय

कुमार गुप्ता ने बताया कि जागतरन ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह छपरौला गांव में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार उनके भाई ने अपनी बेटी की शादी के लिए उनके घर पर 13.5 लाख रुपये रखे थे। इस बात की जानकारी उनके बेटे हरेंद्र और बहू पूजा को थी। जब उनके भाई ने पैसे मांगे तो उन्होंने अलमारी से पैसे निकालकर देना चाहा, तो पता चला की रकम उनके अलमारी में नहीं है। जब उन्होंने अपने बेटे और बहू से इस बात के बारे में पता किया तो उनकी बहू जवाब देने में संकोच करने लगी। बाद मे उन्हें पता चला कि उनकी बहू ने आलमारी से रुपये चुरा कर अपनी मां को दे दिया है।
पीड़ित के अनुसार, उनकी बहू की मां ने अपने नाम से 7.5 लाख रुपये तथा बहू ने अपने-आप से 2.5 लाख रुपये की यूनियन बैंक गोविंदपुरम मे चोरी की रकम से एफडी करवा ली, तथा वेब सिटी में एक फ्लैट बुक किया। पीड़ित के अनुसार उसकी बहू से किसी और व्यक्ति से भी प्रेम संबंध है। इस बात की जब जानकारी उसके बेटे को लगी तो उसकी बहू तथा बहू की मां ने उसे धमकी दी तथा तलाक के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़ित के अनुसार इस बात से उसका बेटा परेशान रहने लगा तथा उसने 11 जुलाई को सल्फास खा लिया। उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फीस बढ़ाने वाले स्कूलों सात स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना

नोएडा।
गौतम बुद्धनगर जिला प्रशासन ने सात प्राइवेट स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। इन स्कूलों पर उत्तर प्रदेश फीस रेगुलेशन एक्ट के नियमों का उल्लंघन का आरोप है। इन्होंने तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई या बिना मंजूरी के अलग-अलग शुल्क लगाए हैं।
जिलाधिकारी मेधा रूपम के अनुसार, स्कूलों पर जुमार्ना लगाने का फैसला उनकी अध्यक्षता में हुई जिला फीस रेगुलेटरी कमेटी की बैठक में लिया गया। कमेटी ने 2026-27 अकादमिक सत्र के लिए प्राइवेट स्कूलों की प्रस्तावित फीस बढ़ोतरी की समीक्षा की।

कमेटी ने उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्ट के नियमों के पालन की जांच की।
समीक्षा बैठक में पाया गया कि दह प्राइवेट स्कूलों ने 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए 7.23 फीसदी की अधिकतम तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई।
नोएडा के सेक्टर 21 के एक अन्य स्कूल ने कम्पोजिट फीस के अलावा अलग से सालाना फीस भी वसूली। यही नहीं 2025-26 एकेडमिक सेशन के लिए अपना फीस स्ट्रक्चर भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया। इस तरह इन स्कूलों ने गलतियां कीं।
कमेटी ने इन गलतियों को उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्ट के तहत पहली बार की गई गलती माना। कमेटी ने सात स्कूलों में से हर एक पर 1-1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। प्रशासन ने कहा कि जिन स्कूलों में तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई गई थी, उनको पहले नोटिस जारी करके एक्ट के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, नोटिस के बावजूद सात स्कूल इन उल्लंघनों को ठीक करने में नाकाम रहे।

मुझे शादी से दूर रखना भोले बाबा- कांवड़िया

बागपत।
बागपत से गुजर रही कांवड़ यात्रा में एक ऐसी अनोखी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। हरियाणा के रहने वाले बुजुर्ग कांवड़िया रामफल पिछले 23 वर्षों से लगातार कांवड़ ला रहे हैं, लेकिन उनकी मन्नत कुछ अलग है—वह भगवान भोलेनाथ से शादी से दूर रहने का वरदान मांगते हैं। रामफल बुधवार को हरिद्वार से गंगाजल लेकर भडल मार्ग से होते हुए बागपत पहुंचे। रास्ते में पड़ाव के दौरान बातचीत में उन्होंने बताया कि समाज में बदलते रिश्तों और टूटते भरोसे ने उन्हें विवाह से दूर रहने का फैसला लेने पर मजबूर किया। उनका कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसे उदाहरण देखे, जहां रिश्तों में विश्वास की कमी ने परिवारों को तोड़ दिया। इसी अनुभव के कारण उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लिया है।
रामफल बताते हैं कि वह पिछले 23 साल से हर साल कांवड़ लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं और यही प्रार्थना करते हैं कि उनकी शादी न हो।
उनका मानना है कि भोलेनाथ की कृपा से आज तक उनका यह संकल्प कायम है और आगे भी बना रहेगा।

विभिन्न जगहों पर रहने वाले 10 लोग हुए साइबर अपराधियों के शिकार, 79.25 लाख रुपए की ठगी

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाले 10 लोग साइबर अपराधियों के शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने उनसे 79.25 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।
पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि छतर सिंह ने बीती रात को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्रेटर नोएडा के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने उनके मोबाइल फोन को हैक करके 7 लाख 79 हजार रुपए उनके खाते से निकाल लिया है। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस

मामले की जांच कर रही है।
डीसीपी ने बताया कि एक अन्य मामले में बीती रात को शिवराज सिंह भंडराल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एनएसजी सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार अज्ञात साइबर अपराधियों ने टेलीग्राम एप के माध्यम से लाइक करने के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाया तथा मोटी रकम मुनाफे में देने का वादा किया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने अपने जाल में फंसाकर उनसे 6 लाख 11 हजार रुपए की ठगी कर ली है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।
डीसीपी ने बताया कि एक अन्य मामले में बीती रात को गौरव कुमार ने थाना साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ लोगों ने उसे फोन किया तथा एक लिंक भेजा। उन्होंने कहा कि अगर तुम्हें अपने अकाउंट में पैसे चाहिए तो एक क्यूआर कोड को स्कैन करो। जब उन्होंने ऐसा करने से मना किया तो उन्हें धमकी दी कि तुम्हारी आपत्तिजनक तस्वीर को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने धमकी देकर उनसे 6.8 लाख रुपया अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिया। डीसीपी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।
एक अन्य मामले में बीती रात को कमल कुमार पुत्र रामलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर - 2 में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार साइबर अपराधियों ने उनकी कंपनी के सर्वर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश किया। ग्राहकों का डाटा हासिल कर-के ग्राहकों के डिजिटल गोल्ड निवेश की जानकारी हासिल की तथा उसे बेचकर 6 लाख 69 हजार 386 रुपए की ठगी कर ली। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।
सुभाष पाटिल ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह नोएडा के सेक्टर 27 में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार साइबर अपराधियों ने आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड मुंबई के कर्मचारी बनकर उनसे संपर्क किया तथा क्रेडिट कार्ड के पॉइंट बढ़ाने का लालच देकर एक लिंक भेजा। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसके मोबाइल फोन को हैक कर लिया तथा उनके खाते से 5.3 लाख रुपया निकाल लिया। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में बीती रात को विक्रांत साहीवाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनसे संपर्क किया तथा ऑनलाइन निवेश कर मोटा मुनाफा करने का लालच दिया।

ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट की अटकलों से सोना-चांदी चमके

सोने के भाव 644 तेज होकर 1,43,600 रुपए, चांदी 1,397 चढ़कर 2,19,150 रुपए

नई दिल्ली।

वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच मंगलवार को सोना और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने की संभावनाओं पर निवेशकों की पैनी नजर बनी हुई है, जिसने इन कीमती धातुओं को मजबूत सहारा दिया। खबर लिखे जाने तक ग्लोबल कॉमेक्स पर सोना 4,115 डॉलर और चांदी 58.90 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी, जबकि घरेलू एमसीएक्स पर सोना 1,43,600 रुपये और चांदी 2,19,150 रुपये के करीब पहुंच गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 644 रुपये की मजबूत तेजी के साथ 1,43,559 रुपये पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,42,915 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 692 रुपये की तेजी के साथ 1,43,607 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट ने भी रफ्तार पकड़ी। यह 1,397 रुपये की तेजी के साथ 2,18,143 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 2,16,746 रुपये से काफी ऊपर था। वर्तमान में यह 2,404 रुपये की छलांग के साथ 2,19,150 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेज उछाल देखा गया। सोना 4,109.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 4,090.50 डॉलर प्रति औंस से अधिक था। खबर लिखे जाने तक यह 23.30 डॉलर की तेजी के साथ 4,113.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी का वायदा भाव 58.38 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 57.85 डॉलर था। यह भी तेजी बरकरार रखते हुए 1.03 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 58.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया था। चांदी के भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया था।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में मंगलवार को मिश्रित रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव पर भी वैश्विक निवेशकों की नजर बनी हुई है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स में 1.32 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.48 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 2.13 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी बाजारों की यह मजबूती आज घरेलू बाजार के लिए कुछ सकारात्मक संकेत दे सकती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुनाफा घटकर 349 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 42 प्रतिशत घटकर 349.38 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 598.40 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 1,345.04 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,620.34 करोड़ रुपये थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 210 अंक, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ ही ही 78,428.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक फिसलकर 24,614.90 अंक पर बंद हुआ। मिडकैप शेयरों में भी आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 86 अंक की गिरावट के साथ ही 18,215.85 अंक पर बंद हुआ।सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में आज सीजी पावर , और सेल रहे । वहीं गॉडफ्रे फिलिप और निप्पन के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। एलआईसी इंडिया, यूपीएल, प्रेस्टीज एस्टेट और डाबर इंडिया गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की

मिश्रित शुरुआत रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 147 अंक बढ़कर 78,786.10 पर था, जबकि निफ्टी 162 अंक गिरकर 24,611.55 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में सपाट खुला और तीन पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा। अब बाजार की नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले और इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिका के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.37 पर बंद हुआ था।

भारत ने 5 उत्पादों पर बढ़ाए डंपिंग रोधी शुल्क

चार मौजूदा उत्पादों पर शुल्क अवधि बढ़ी, एक नए उत्पाद पर भी लगा शुल्क

नई दिल्ली ।

घरेलू उद्योगों को सस्ते आयात से बचाने के लिए भारत सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिशों पर चार मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्कों की अवधि बढ़ाई है और एक नए उत्पाद पर भी पांच साल के लिए शुल्क लगाया है। सरकार ने ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोलंबिया, इंडोनेशिया, जापान और रूस से आयातित 'लो ऐश मेटलर्जिकल कोक' पर पांच वर्षों के लिए 42.95 डॉलर से 128.83 डॉलर प्रति टन के बीच नया डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है।

जिन उत्पादों पर शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है, उनमें अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका, एरिलाइड्स, लौह/इस्पात से बने सीमलेस ट्यूब, पाइप व खोखले प्रोफाइल तथा नॉर्मल ब्यूटेनॉल शामिल हैं। पेंट, सौंदर्य प्रसाधन, औषधि और प्रिंटिंग इंक जैसे उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले इन उत्पादों का चीन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से लगातार सस्ता आयात हो रहा था, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे थे।

अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका पर यह शुल्क फरवरी 2027 तक, एरिलाइड्स पर जनवरी 2024 तक और लौह व इस्पात उत्पादों पर जनवरी 2027 तक बढ़ाया गया है। नॉर्मल ब्यूटेनॉल पर भी पांच वर्षों के लिए अवधि बढ़ाई गई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बहुपक्षीय ढांचे के तहत ये शुल्क निष्पक्ष व्यापार और घरेलू उत्पादकों को समान प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए जाते हैं।

अब 25,000 तक बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में

पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट 15,000 से बढ़कर 25,000 रुपए हुई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने प्रोविडेंड फंड (पीएफ) से जुड़े नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है, जिसका सीधा असर लाखों नौकरीपेशा लोगों की मासिक सैलरी और रिटायरमेंट फंड पर पड़ेगा। इस बदलाव से अब ज्यादा कर्मचारी पीएफ और पेंशन योजना (ईपीएस) के दायरे में आ सकेंगे, हालांकि शुरुआत में हाथ में आने वाली सैलरी थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत होगी। पहले नियम के अनुसार, जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता मिलाकर 15,000 रुपये तक होता था, उनके लिए पीएफ कटवाना अनिवार्य था। 15,000 रुपये से अधिक आय वाले कर्मचारी इससे बाहर रह सकते थे। नई लिमिट 25,000 रुपये होने के बाद अब 15,001 रुपये से 25,000 रुपये तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में आ जाएंगे, जिससे उन्हें बचत के साथ-साथ पेंशन का लाभ भी मिलेगा। इस बदलाव से पीएफ में ज्यादा योगदान जाने के कारण हर महीने हाथ में आने वाली सैलरी में कुछ कमी देखी जा सकती है। दरअसल, कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा पीएफ खाते में जमा होता है और कंपनी भी अपनी ओर से इतना ही योगदान देती है। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को अब 2,640 रुपये पीएफ के रूप में कटवाने होंगे, जबकि पहले वह दायरे में

नहीं था। इसी तरह, 25,000 रुपये बेसिक सैलरी पर पीएफ योगदान 1,800 रुपये (15,000 पर) से बढ़कर 3,000 रुपये (25,000 पर) हो जाएगा। यह बदलाव कई कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट सुरक्षा को बढ़ाने वाला साबित होगा, खासकर उनके लिए जो पहले इस सीमा के कारण पीएफ और पेंशन योजना से नहीं जुड़ पा रहे थे। हालांकि, कंपनियों और सरकार पर भी इससे अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा, लेकिन यह कदम कर्मचारियों की लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

वैश्विक दबाव में बढ़ी थोक महंगाई, सरकार बोली- खुदरा नियंत्रण में जून में

डब्ल्यूपीआई 9.87 फीसदी हुई, वित्त राज्य मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को बताया मुख्य कारण

नई दिल्ली।

सरकार ने संसद को बताया है कि जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक बाजार में ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें रही हैं। हालांकि, सरकार का दावा है कि उसने आम लोगों को प्रभावित करने वाली खुदरा महंगाई (सीपीआई) को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में सफलता पाई है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया कि खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, धातु, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वैश्विक तेजी का असर थोक महंगाई पर दिखा है। सरकार महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इन उपायों में आवश्यक खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक बढ़ाना, खुले बाजार में अनाज की बिक्री करना और जरूरत के अनुसार व्यापार नीतियों में बदलाव करना शामिल है। इनका उद्देश्य खाद्य कीमतों को नियंत्रित कर उपभोक्ताओं को राहत देना है। आंकड़ों के अनुसार, जून में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। दूसरी ओर, खुदरा महंगाई दर सरकार द्वारा तय लक्ष्य के दायरे में बनी हुई है।

हालांकि, जून 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में वृद्धि को माना जा रहा है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर अप्रैल 2026 से मार्च 2031 तक के लिए खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत तय किया है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मुनाफा 3 फीसदी बढ़कर 873 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली

। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने बताया कि जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 873 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 845 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने शेयर बाजार को बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय पांच प्रतिशत बढ़कर 1,385 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,324.8 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च आठ प्रतिशत बढ़कर 242 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 224 करोड़ रुपए था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 15.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ देश के सबसे बड़े म्यूचुअल फंड प्रबंधक के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा।

भारत के निजी विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 5 साल के निचले स्तर पर

एचएसबीसी पीएमआई जून के 54.2 से गिरकर 53.5 हुआ

नई दिल्ली ।

भारत के निजी क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई माह में पांच वर्षों में सबसे सुस्त गति से हुई है। एक निजी सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। एचएसबीसी का भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), जो विनिर्माण गतिविधियों में बदलाव पर नज़र रखता है, जून के 54.2 से गिरकर जुलाई में 53.5 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कुल बिक्री में गिरावट और नए ऑर्डर व नौकरी सृजन में कमी को इस सुस्ती का मुख्य कारण बताया गया है। जुलाई का 53.5 का आंकड़ा अगस्त 2021 के बाद सबसे कम है, जब यह 52.3 था।

हालांकि, यह सूचकांक 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। यह लगातार 57वां महीना है जब विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार देखा गया है। एचएसबीसी की एक चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट ने बताया कि जुलाई में आपूर्तिकर्ता की आपूर्ति के समय का सूचकांक बढ़ा है, जो आपूर्ति श्रृंखला में सुधार का संकेत है। हालांकि, मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव ने इन सुधारों के स्थायित्व पर नए संदेह पैदा कर दिए हैं। इसके चलते विनिर्माता बफर बना रहे हैं, जिससे इनपुट और तैयार माल दोनों की इन्वेंट्री में बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर में वृद्धि चार साल से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही, जिसका मुख्य कारण बाजार की मुश्किल होती स्थितियां और ग्राहकों की कम दिलचस्पी बताई गई है।

बिक्री के मामले में भी वृद्धि की गति 2022 के मध्य के बाद से सबसे धीमी थी। जुलाई में उपभोक्ता सामान क्षेत्र सबसे कमजोर रहा, जिसमें नए ऑर्डर और आउटपुट में काफी कम वृद्धि देखी गई, जबकि इंटरमीडिएट और कैपिटल गुड्स बनाने वाली कंपनियों ने दोनों पैमानों पर मजबूत विस्तार दर्ज किया। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त इनपुट की खरीद 31 महीने के निचले स्तर पर आ गई। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में नौकरी के अवसर बढ़ने की रफ्तार लगातार तीसरे महीने धीमी रही और यह लगातार 29 महीनों की वृद्धि में सबसे धीमी दर थी।

हालांकि, लागत का दबाव पांच महीनों में सबसे कम स्तर पर आ गया, लेकिन कंपनियों ने विशेषकर सामान की आवाजाही के लिए ज्यादा कीमतें बताईं।

यूपीआई नियमों में होगा बदलाव, भविष्य में लग सकता है एमडीआर

वित्त मंत्रालय ने पेमेंट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिससे भविष्य में यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने का अधिकार मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल ग्राहकों के लिए कोई नया शुल्क लागू नहीं किया गया है और इसका उद्देश्य यूपीआई यूजर्स से अतिरिक्त चार्ज वसूलना नहीं है। यदि भविष्य में एमडीआर लागू भी होता है, तो इसका असर मुख्य रूप से कारोबारियों (मर्चेंट्स) पर पड़ सकता है। यह प्रस्ताव पेमेंट एक्ट की धारा 10ए को हटाने के लिए है, जो वर्तमान में डिजिटल भुगतान पर एमडीआर लगाने से रोकती है। संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के अनुसार, देश के 88 फीसदी डिजिटल भुगतान यूपीआई से होते हैं और अरबों ट्रांजैक्शन की बढ़ती लागत ने बैंकों व पेमेंट कंपनियों पर दबाव बढ़ाया है। डिजिटल पेमेंट उद्योग लंबे समय से जीरो एमडीआर नीति की समीक्षा की मांग कर रहा है, क्योंकि प्रोत्साहन राशि वास्तविक लागत से कम है। कुछ संगठनों ने बड़े कारोबारियों पर सीमित एमडीआर और छोटे को छूट देने का सुझाव दिया है।

एलआईसी में सरकार बेचेगी 6.5 फीसदी हिस्सेदारी

आम निवेशकों को मिलेगा शेयर खरीदने का मौका

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में अपनी हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचने का फैसला किया है। पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, जिसे ग्रीन शू ऑप्शन के तहत कुल 6.5 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। सरकार का यह कदम सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग नियमों के अनुपालन हेतु उठाया जा रहा है। सरकार ने इस ऑफर फॉर सेल के लिए 382 रुपए प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस निर्धारित किया है, जिसका अर्थ है कि इससे कम कीमत पर शेयर नहीं खरीदे जा सकेंगे। वर्तमान में, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में सरकार की करीब 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। इस पेशकश में पहले गैर-खुदरा निवेशकों (संस्थागत निवेशक) को हिस्सा खरीदने का मौका मिलेगा, जिसके बाद खुदरा निवेशक भी अगले दिन अपनी बोली लगा सकेंगे।

पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, लेकिन निवेशकों की अच्छी मांग पर ग्रीन शू ऑप्शन के तहत 4 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी भी बेची जा सकती है, यानी कुल 6.5 फीसदी तक शेयर बाजार में आ सकते हैं। सरकार का यह निर्णय केवल पूंजी जुटाने के लिए ही नहीं, बल्कि एक नियामक उद्देश्य के लिए भी है। सेबी के नियमों के अनुसार शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम निवेशकों (पब्लिक) के पास होनी चाहिए। एलआईसी जिसकी लिस्टिंग साल 2022 में हुई थी और जो देश का सबसे बड़ा आईपीओ था, अब इस ओएफएस के माध्यम से अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को बढ़ाएगी। इस कदम से कंपनी में शेयरों की तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ेगी और वह नियामक मानकों के अधिक करीब पहुंचेगी।

मस्क की बादशाहत बरकरार, अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा

मस्क नंबर 1; टॉप-9 में अमेरिकी टेक महारथी, अर्नाल्ट की बादशाहत पर खतरा

नई दिल्ली ।

वैश्विक अरबपतियों की सूची में एलन मस्क ने अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखी है, बावजूद इसके कि उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार शीर्ष दस में से नौ स्थान अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने कब्जा रखे हैं, जो इस क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के तौर पर पहले पायदान पर बने हुए हैं। उनका कुल नेटवर्थ 684 अरब डॉलर है, जो दूसरे नंबर के लैरी पेज (305 अरब डॉलर) से दोगुने से भी अधिक है। गौरतलब है कि मस्क ने 400 अरब डॉलर गंवाने के बावजूद यह स्थान बनाए रखा है। जेफ बेजोस 290 अरब डॉलर के साथ तीसरे और सर्गी ब्रिन 283 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं। बेजोस की संपत्ति में 32.3 अरब डॉलर और ब्रिन की संपत्ति में 16.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इसके बाद माइकल डेल (217 अरब डॉलर) पांचवें, मार्क जुकरबर्ग (199 अरब डॉलर) छठे, लैरी एलिसन (181 अरब डॉलर) सातवें, जेनसेन हुआंग (166 अरब डॉलर) आठवें और स्टीव बाल्मर (163 अरब डॉलर) नौवें स्थान पर हैं। इन शीर्ष नौ नामों में अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा स्पष्ट है। अब सवाल यह है कि क्या लंबे समय से टॉप-10 में अपनी जगह बनाए रखने वाले एकमात्र गैर-अमेरिकी, बर्नार्ड अर्नाल्ट इस सूची से बाहर हो जाएंगे? 11वें नंबर पर काबिज वॉरेन बफे (145 अरब डॉलर) से अर्नाल्ट का फासला केवल 16 अरब डॉलर का है। चूंकि अरबपतियों की संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनियों के शेयरों से आता है, ऐसे में शेयर बाजार में जरा सा भी उतार-चढ़ाव इस सूची में बड़ा फेरबदल कर सकता है।

रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव, पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं।

दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।'

पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।'

जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, हालांकि उस मैच में भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। श्रीलंका में होने वाली आगामी सीरीज में जडेजा नवंबर 2025 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे, उस समय उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की दो मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लिया था।

नीरज चोपड़ा अब लुसाने डायमंड लीग में आएंगे नजर, श्रीलंका और पाकिस्तानी खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी टक्कर

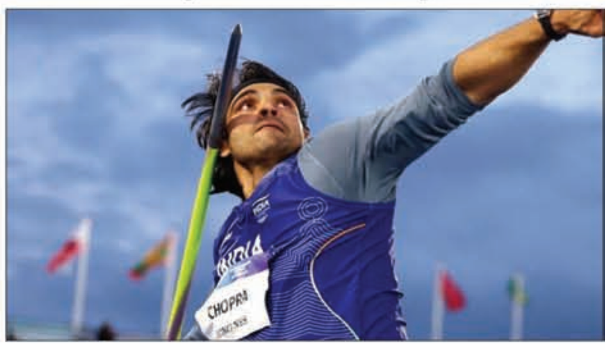

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैम्पियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे। आयोजकों ने कहा, 'पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था।

इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत, बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।' पठान ने इस साल रणजी ट्रॉफी फाइनल का उदाहरण देते हुए कहा कि नबी ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर ऐतिहासिक खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'रणजी ट्रॉफी फाइनल में हमने देखा कि उसने अनुभवी लोकेश राहुल को परेशान किया। भले ही उसे विकेट नहीं मिला, लेकिन उसने बल्लेबाज को सामान्य तरीके से रक्षात्मक बल्लेबाजी करने पर मजबूर किया और फिर आउट किया।'

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत , खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल आज स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधू को नौवी, सात्विक-चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली ।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरूष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैम्पियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक-चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरूष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरूष एकल विश्व चैम्पियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेइ को चौथी वरीयता दी गई है। चैम्पियनशिप के ड्रॉ बुधवार को निकाले जाएंगे। अगर कोई वरीय खिलाड़ी उससे पहले नाम वापिस लेता है तो वरीयता क्रम बदल सकता है।

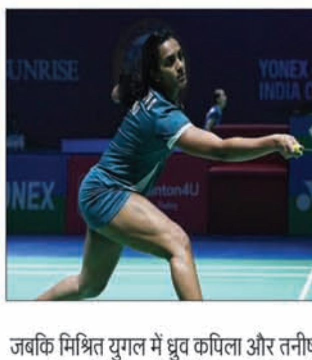

आईसीसी ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया

दुबई ।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने अखिलेश पर यह प्रतिबंध मैच फिक्सिंग के प्रयास और जांच के दौरान सबूतों को मिटाने के आरोपों के बाद लगाया गया है। इस फैसले के बाद रेड्डी 21 नवंबर 2033 तक किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनका निलंबन 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। इस प्रतिबंध से अखिलेश का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर पर साल 2025 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्सिंग के प्रयास के आरोप लगे थे। अखिलेश ने एक साथी खिलाड़ी को जानबूझकर गेंदबाजी के दौरान रन देने और खराब प्रदर्शन करने को कहा था हालांकि उस खिलाड़ी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। साथ ही आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) को इसकी जानकारी दी थी। इसी शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें अखिलेशको दोषी पाया गया। इतना ही नहीं, जब मामला प्रकाश में आया और जांच शुरू हुई, तो रेड्डी ने अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिए, जिससे सबूत मिटाने का अतिरिक्त आरोप लगा। 26 वर्षीय अखिलेश रेड्डी भारत के हैदराबाद शहर से हैं। उन्होंने भारत में घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है और विजय हजारे ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल फेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर के रूप में भी जुड़े थे। बेहतर अवसरों की तलाश में वह अमेरिका आये थे और वहां की राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिल गयी थी। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए चार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें एक विकेट लिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक ट्रिब्यूनल ने रेड्डी को तीन अलग-अलग गंभीर मामलों में दोषी पाया है। पहला आरोप मैच को गलत तरीके से प्रभावित करने या फिक्स करने की कोशिश करना था। दूसरा, उन्होंने एक अन्य खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए कहा। तीसरा और बेहद गंभीर आरोप यह था कि उन्होंने जांच शुरू होने पर अपने मोबाइल से व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड सहित अहम डेटा डिलीट कर सबूत मिटाने की कोशिश की।

जय शाह ने तंजानिया में आईसीसी के पहले क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन जय शाह ने अफ्रीकी देश तंजानिया में ऐतिहासिक क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया है। शाह ने

यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम में तंजानियाई क्रिकेटएसोसिएशन (टीसीए) के नए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया है। ये तंजानिया का पहला आईसीसी मान्यता प्राप्त क्रिकेट स्थल है। इस क्रिकेट स्थल के खेलने से तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट का विकास तेजी से होगा। शाह ने कहा कि इस स्थल के आने से खेल में एक बड़ा बदलाव आयेगा।

आईसीसी चेयरमैन ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में विश्व स्तरीय क्रिकेट ढ़ांचा तैयार हो पाया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मान्यतप्राप्त क्रिकेट स्थल। इस शानदार स्थल का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। इस उद्घाटन समारोह में जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया के संस्थापक व यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी उपस्थित थे।

यह नया एरिना नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करेगा, जो तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा देगा। इसके साथ ही, यह पूरे देश में जमीनी स्तर (ग्रासरूट) और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा, जिससे नई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल होगा।

तंजानिया में पहले से ही 27 क्रिकेट स्थल और 119 सक्रिय कोच व 75 अंपायर हैं। सहयोग प्राप्त है। यहां क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। इससे यहां सक्रिय खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से अधिक हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है। देश की अंडर-19 पुरुष टीम ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, जिससे तंजानिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता का अंदाजा होता है।

पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

अमेरिका के टेलर फिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका के तीसरी वरीयत प्राप्त टेलर फिट्ज ने स्पेन के उभरते टेनिस खिलाड़ी राफेल जोदार को हराकर वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता है। ।फिट्ज ने पुरुष एकल फाइनल में जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर 11वां एटीपी टूर खिताब जीता। यह जीत फिट्ज के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चार साल बाद एटीपी 250 से ऊपर के स्तर पर वह कोई खिताब जीतने में सफल रहे हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में अपनी शानदार सर्विस गेम से मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में फिट्ज ने अपनी आक्रामक रिटर्न और मैदानी स्ट्रोक्स के जरिये हमला बोलकर स्पेनिश खिलाड़ी जोदार को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया और 7-2 से टाईब्रेक जीतने के साथ ही बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे सेट की शुरुआत में फिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर इसके बाद वह मुकाबले में हावी हो गये। मुकाबले के अंतिम गेम में फिट्ज ने एक ब्रेक अंक बचाया और अपने अपने पांचवें मैच अंक पर जीत दर्ज की। इस कड़े मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फिट्ज उत्साहित हो गये। ।इस जीत के साथ ही फिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब अपने नाम किया था। इस खिताबी जीत के बाद फिट्ज को एटीपी रैंकिंग में लाभ मिला है। वह दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनका लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट को जीतना रहेगा।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु। आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी।

नेमार क्लब फुटबॉल से भी लेंगे संन्यास? ब्राजीलियाई स्टार ने खुद दिया बड़ा अपडेट

ग्लासगो (एजेंसी)। ब्राजील- फुटबॉलर नेमार जूनियर ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेकर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा था। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल था कि क्या नेमार क्लब फुटबॉल से भी संन्यास लेने वाले हैं। अब इस पर खुद नेमार ने बड़ा अपडेट दिया है।

क्लब फुटबॉल से संन्यास पर क्या बोले नेमार?

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने साफ किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं।नेमार ने कहा, 'मैं अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अभी कुछ तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'रुकूंगा, जाऊंगा, संन्यास लूंगा या खेलता रहूंगा... मुझे नहीं पता। दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।'

फैंस के बीच बढ़ी अटकलें

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जहां उन्होंने संन्यास से साफ इनकार नहीं किया, वहीं यह भी नहीं बताया कि दिसंबर के बाद वह किस क्लब के लिए खेलेंगे या खेलना जारी रखेंगे। ऐसे में फैंस उनकी अगली घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

चोटों ने करियर पर डाला असर

34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली (ष्ट्ठ्ठद्व) की चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था।

वापसी के बाद बनाया खास रिकॉर्ड

चोट से वापसी करने के बाद नेमार ने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। जनवरी 2025 में सऊदी क्लब अल हिलाल छोड़ने के बाद वह अपने बचपन के क्लब सैंटोस एफसी से जुड़े और फिलहाल वहीं खेल रहे हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि दिसंबर में अनुबंध समाप्त होने के बाद नेमार अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे या क्लब फुटबॉल से भी संन्यास का ऐलान करेंगे।

स्वास्थ्यवर्धक सीताफल

सीताफल में विटामिन बी-1, ए, बी-2 और सी पाया जाता है। इसका फल गोलाकार, छोटी-छोटी गोल कृतिवाली, बाहर से उभरी हुई पेशियों के कारण मनोहर कलाकृति के समान लगता है। यह अत्यन्त ठंडा होता है। अधिक खाने पर जुकाम हो जाता है। इनके फल में अनेक बीज काले और चिकने होते हैं। बीजों के आसपास सफेद मीठी गिरी होती है। इसे ही खाया जाता है।

शरीर की दुर्बलता, थकान, अशक्ति, मांस-पेशियां क्षीण होने की दशा में सीताफल का सेवन करने से मांसवृद्धि होती है। यह शरीर के लिए अत्यन्त श्रेष्ठ फल है। घबराहट, ह्रदय की क्रिया को स्वाभाविक बना देता है। इसकी एक बड़ी किस्म और होती है, जिसे रामफल कहते हैं। व्रत के दिनों में फलाहार के रूप में इसे खाते हैं। पूरक आहार के रूप में इसका सेवन किया जाता है। कुछ लोग सीताफल को अन्नुस भी कहते हैं। निम्न रोगों पर चिकित्सा संबंधी उपयोग दिए जा रहे हैं, इनका प्रयोग करें और रोगों को दूर भगाएं-

अतिसार

सीताफल का कच्चा फल खाना अतिसार और पेचिश में उपयोगी है।

घाव पर

सीताफल के पत्तों को पीसकर, सेंधा नमक मिलाकर पुल्टिस को घाव पर बांधने से उसमें पड़े हुए कीड़े मर जाते हैं।

दूसरी विधि

कच्चे अपक्व फोड़ों पर सीताफल के पत्ते, कच्ची तंबाकू और सूखे चूने में शहद मिलाकर घाव पर बांधने से शीघ्र पकता है और भीतरी पीप बाहर निकलकर घाव शीघ्र ठीक होता है।

जुएं या लीख में

कच्चे सीताफल का चूर्ण या इसके बीज का चूर्ण बनाकर रात में सोने से पूर्व सिर में खूब लगाकर सिर को कपड़े से बांध लें। इससे सिर के बालों में पड़ी जुएं और लीखें मर जाती हैं।

पित्त में

पके सीताफल को खुली जगह ओस में रख दें। सवेरे खाने से पित्त का दाह शांत होता है।

मासिक धर्म

यदि मासिक बंद हो गया हो, तो सीताफल के बीज की गर्म बत्ती बनाकर स्त्री योनि में रखने से बंद मासिक आना शुरू हो जाता है।

सावधानियां

सीताफल को अधिक मात्रा में सेवन करने से ठंड लगकर बुखार आ जाता है। अत्यधिक खाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है। सीताफल का बीज आंख में जाने पर दाह-जलन करता है, इससे आंखें खराब हो जाती हैं। जुएं या लीखें मारने के लिए उनके बीज का चूर्ण सिर में भरते समय आंख में न चला जाए। सीताफल न पचने पर फायदे के बदले नुकसान भी कर देता है।

हेल्थ प्लस

बीमारियों से बचाते हैं एंटीऑक्सीडेंट्स

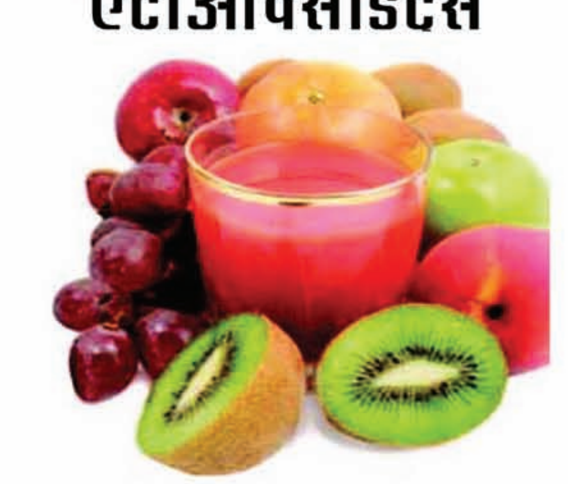

एंटी-ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट्स ऐसे तत्त्व हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं। इनसे बुढ़ापे की प्रक्रिया धीमी होती हैं। ये विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई से मिलते हैं। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से शरीर को बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं, चाहे रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम या ज्यादा होती रहे। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की प्रक्रिया को उल्टा कर देते हैं। यह विटामिन कई प्रकार के होते हैं और फल एवं सब्जियां प्राकृतिक रूप से इनसे भरपूर हैं जिनका सेवन हम आराम से कर सकते हैं, जबकि दवाइयों में बहुत साइड इफेक्ट हैं।

विटामिन-ए

विटामिन ए दो प्रकार के होते हैं। पहला जो पशु और उसके पदार्थों से प्राप्त होता है जैसे मांस, दूध आदि जिसे रेटिनोल कहते हैं और दूसरे जो फल एवं सब्जी से प्राप्त होता है जिसे बीटा केरोटीन कहते हैं। यही बीटाकेरोटीन एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। रंगीन फल एवं सब्जियां इसका एक अच्छा स्त्रोत है, जैसे साग, धनिया, गोभी, गाजर, सीताफल, आम, पपीता एवं टमाटर, यह केरोटीन शरीर के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है। यह पकाने या अल्ट्रा वायलट किरणों से भी खराब नहीं होता, किंतु इसका केवल 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा ही शरीर में रहता है। प्रतिदिन व्यक्ति को रेटिनोल 600 माइक्रोग्राम और बीटा केरीटीन 2400 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

विटामिन-सी

विटामिन सी का सबसे बड़ा स्त्रोत आंवला है। यह नीबू , संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, अमरूद, फूलगोभी और हरी पत्तेदार सब्जी जैसे साग में पाया जाता है।

विटामिन-ई

विटामिन ई भी एंटी ऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है। यह हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। यह व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत करता है और हार्ट डिजीज से बचाता है। यह आटे, अंकुरित दालों और हरे साग में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

खून की कमी

आपको थकान महसूस हो रही है तो हो सकता है खून की कमी हो या रक्त में कुछ तत्व कम हों। भोजन में लौह-तत्व, खनिज लवण की पूर्ति करें। पत्तेदार सब्जियां और फल खाएं। भारत में रक्ताल्पता अर्थात् खून की कमी के रोगी सर्वाधिक हैं। यह अनुपात पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक देखने में आता है। शरीर में खून की मात्रा 4 से 6 लीटर होती है। जब खून में लाल रक्त कणिकाएं कम होने लगती हैं। इस रोग में रोगी का चेहरा पीला या काला, आंखें सफेद, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रता से थकान, मानसिक अवसाद, स्नायु एवं स्मृति दौर्बल्य आदि लक्षण प्रकट होने लगते हैं। किसी भी प्रकार के रक्तालपता में कुछ प्रयास अत्यन्त लाभकारी हो सकते हैं।

आयरन की भरपाई

इस रोग में खून में लौह तत्व की कमी आने लगती है। अत: अपने भोजन में लौह-तत्व की पूर्ति करने हेतु फलों में सेब, अंजीर, मुनक्का, अनार, पपीता व सब्जी में पालक, मेथी, गाजर, बथुआ, चुकंदर, खूबानी आदि को रात्रि में लोहे की कड़ाही में पानी के साथ 6 घंटे भिगोने के बाद प्रयोग करें, ऐसा करने से तेजी से खून में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

जरूरी है विटामिन बी-12

खून की कमी के दौरान शरीर को विटामिन बी-12 की सख्त आवश्यकता होती है, जो खून में लाल रक्त कणिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। अनार, सेब, चुकंदर में पाए जाने वाला आयरन शरीर में पहुंचकर विटामिन बी-12 में बदल जाता है। यदि सुबह के समय पेट की मिट्टी पट्टी व एनिमा लेकर नीबू पानी व शहद के साथ फल व कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाए, तो विटामिन बी-12 की पूर्ति होता है।

खनिज लवण जरूरी

खून की कमी के दौरान शरीर में खनिज लवणों की कमी आ जाती है जो कि शरीर को पानी द्वारा पूर्ति नहीं हो पाती है। यदि इस दौरान शरीर को जैतून तेल से धूप मालिश व धूप सर्वांग मिट्टी लेप दिया जाए तो शरीर इस प्रक्रिया द्वारा खनिज लवणों की मूर्ति कर खून को कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कॉपर आदि की पूर्ति कर चेहरा एवं त्वचा को कांतिमय बनाता है।

ऑक्सीजन हो पर्याप्त

खून की कमी का एक मुख्य कारण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी है। जब शरीर में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तो ऑक्सीजन श्वेत रक्त कणिकाओं व प्लाज्मा के संयोजन द्वारा लौह तत्व की पूर्ति कर लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ाता है। जब शरीर में ऑक्सीजन शुद्ध एवं भरपूर पहुंचता है, तो खून के सारे अवयव ठीक कार्य करते हैं। ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए सुबह की खुली ताजा हवा में तेज गति से घूमना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। घूमने की प्रक्रिया के दौरान तेजी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

अंकुरित भोजन

भोजन में जीवंत खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे अंकुरित अनाज, दाल, फल, सब्जी, सलाद आदि। जीवंत भोजन नई कोशिकाओं को पैदा कर ऊर्जा देता है, नई कोशिकाएं शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को दूर करती हैं तथा साथ ही हरी दूब व गेहूं के जवारे का 50 से 60 मिग्रा. रस खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है, जिसे 'ग्रीन ब्लड' कहा जाता है। अब तक की धारणा थी कि मांसाहार खून की कमी को पूरा करता है। लेकिन, असल में ऐसा नहीं है। मांसाहार शरीर में हीम लौह की मात्रा के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी तेजी से बढ़ाता है, जो कि दिल का दौरा व उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार है। प्रकृति में पाया जाने वाला क्लोरोफिल, आयरन व विटामिन्स खून की कमी को सही तरीके से पूरा करते हैं।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन का रहस्य

आपको जितनी भूख हैं उसका तीन-चौथाई ही खाएं। एक चौथाई भाग पानी के लिए छोड़ दें। खाना खाने के थोड़ी देर बाद पानी पिएं। इससे खाना अच्छा पचेगा। भोजन को पचाने में रेशेदार तत्वों का भी विशेष महत्व हैं अपने आहार में रेशेदार व रसीले फलों को भी लें। इनसे विटामिन्स भी मिलेंगे और भोजन पचने में मदद भी मिलेगी। पौष्टिक तत्वों के लिए भोजन में अंकुरित अनाजों का भी समावेश करें यदि आप चाहते हैं कि आपका शरीर सुडौल रहे तो अपने भोजन में अधिक मसाले, तेल व शक्कर का प्रयोग न करें। प्रतिदिन भोजन में कच्चाी सब्जियों व फलों का प्रयोग सलाद के रूप में करें। ये मोटापे से आपको दूर रखेंगे।

यदि आपको अक्सर पार्टियों में जाना पड़ता हैं तो दूसरे दिन उसको संतुलित करने के लिए सूप, फलों का जूस, फल, सलाद एक समय का आहार रखें। पातन शक्ति इससे सही रहेगी। जब भूख लगी हो तो तब न खाकर बाद में अधिक खाना शरीर की स्वाभाविक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाता हैं ऐसी गलती न करें। भूख के अनुसार ही खाएं। विटामिन्स, प्रोटीन्स, खनिज जो शरीर के लिए जरूरी हैं। ऐसे सभी पदार्थों को प्रतिदिन अपने आहार में जरूर रखें। जहां तक हो सके, शीघ्र सुपाच्य पदार्थों का ही सेवन करें। इससे आप कब्ज या गैस जैसे रोगों से बचे रहेंगे। खाना खाने का भी सही तरीका अपनाएं। प्रसन्न मन से एक जगह बैठ कर भोजन करें। इस समय तनाव और चिंता छोड़ दें।

अच्छे सलीके से किए गए भोजन से तन और मन दोनों ही प्रभावित होते हैं। भोजन के साथ-साथ अच्छे स्वास्थय के लिए प्रतिदिन 8 से 10 गिलास तक पानी पिएं।

मां का भोजन

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार नहीं मिले तो उनके शिशुओं की आयु कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने चूहियों पर अध्ययन के बाद यह जानकारी दी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों का कहना है कि अध्ययन के दौरान जिन चूहियों को पर्याप्त मात्रा में संतुलित भोजन दिया गया उनके बच्चे ज्यादा दिनों तक जीवित रहे, जबकि जिन्हें असंतुलित आहार दिया गया उनके बच्चों की मौत जल्दी हो गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि चुहियों पर किया गया अध्ययन सीधे तौर पर महिलाओं पर लागू नहीं होता, लेकिन नेचर में छपी खबर के अनुसार जन्म के समय औसत से कम वजन वाले बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ दिल की बीमारी के साथ-साथ दूसरे जानलेवा रोगों से पीड़ित होने का खतरा बना रहता है।

शोधकर्ता सुसान ओजानेने का कहना है कि अध्ययन से इस बात की पुष्टि हो गई है कि गर्भवती महिलाओं को समुचित मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार मिले, तो शिशु की आयु औसतन बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार नहीं मिलने पर भरूण का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। सुसान का कहना है कि शिशु के जन्म के बाद भी महिलाओं को प्रोटीनयुक्त भोजन नहीं मिलने पर शिशु की जिंदगी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू)
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3969

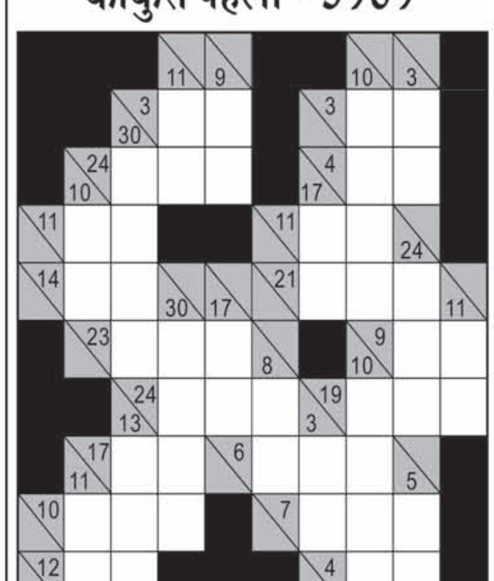

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

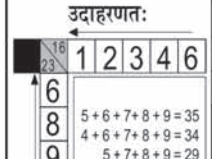

काकुरो - 3968 का हल

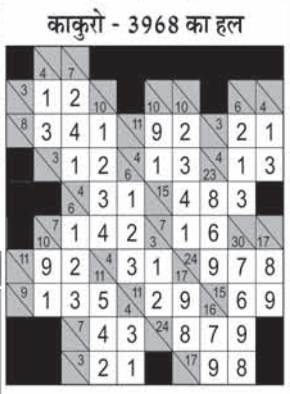

लॉफिंग जोन

रमन (नरेश से)– तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)– दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)– मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन– क्या वह मर गई?

रमन– नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन– अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)– 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन– 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन– 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3969

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3968

सूडोकु -3969

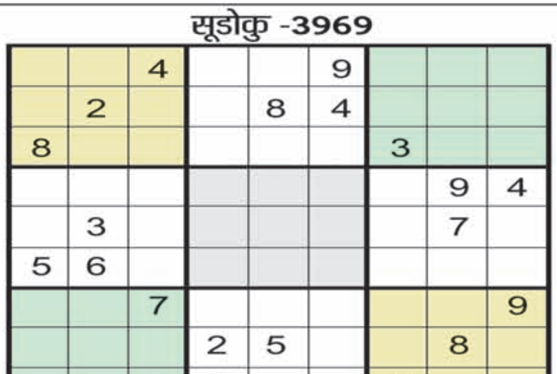

सूडोकु -3968 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 3969

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टोंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3968 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी